आरएनआई नं. CHHHIN/2009/34957
डाक पं. क्रं. एल.एस.बी./जी2-112/सी.जी./बी.एल.पी./83/2020-22

सुविचार

कठिनाइयों का सामना करने वाले लोगों की ही जीत होती है।
-अज्ञात

तरुण पथ

हिन्दी दैनिक
खबरों की दौड़ में सबसे आगे

● वर्ष-16 ● अंक- 65
संस्करण : बिलासपुर एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित

ONSTY INSTITUTE
NEW CRASH COURSE FOR CGPSC PRE 2023-24
NEW COURSES FOR ALL CG VYAPAM EXAMS
JOIN TODAY
FREE DEMO CLASSES AVAILABLE
AVAILABLE COURSES
ONLINE RESOURCES AVAILABLE ON OUR "ONSTY APPLICATION" IN PLAY STORE, SCAN THIS QR CODE TO GET ACCESS
FACILITIES:
7089547123
Mahamaya Residential, Shiv Mandir, Infront of Employment Exchange, Koni, Bilaspur (C.G.) 495009

संक्षिप्त समाचार

कन्हैया का यूटर्न, कांग्रेस में नहीं होंगे शामिल, बोले- बीजेपी के साथ ही रहूंगा

चंडीगढ़। जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे' भजन गाने वाले कन्हैया मित्तल ने मंगलवार को कांग्रेस में शामिल होने के अपने फैसले को वापस लेने का ऐलान किया है। उन्होंने इस संबंध में बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वो बीजेपी के साथ रहेंगे। मित्तल ने अपने बयानों के लिए वीडियो संदेश जारी कर माफी भी मांगी है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से मुझे ये एहसास हुआ कि मेरे सनातनी भाई बहन और खासकर बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व मुझे इतना प्यार करता है और इतनी चिंता करता है। मैंने जो बात कही थी कि मैं कांग्रेस ज्वाइन करने वाला हूं उसे मैं वापस लेता हूं। उन्होंने कहा, इससे पहले मैंने कहा था कि मैं कांग्रेस में शामिल हो जाऊंगा। अब मैं उस फैसले को वापस लेता हूं। इस फैसले से सनातनियों का दिल टूटा है। मैंने अब किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं करने का फैसला किया है। क्योंकि मैं नहीं चाहता हूं कि किसी भी सनातनी का भरोसा टूटे। इसलिए मैं कांग्रेस में शामिल होने के अपने फैसले को वापस लेने का ऐलान करता हूं। उन्होंने आगे कहा,हम सब मिलकर यही संकल्प लेते हैं कि हम राम के थे, हैं, और रहेंगे।

महाराष्ट्र बीजेपी चीफ के बेटे की ऑडी ने कई गाड़ियों को मारी टक्कर, 2 गिरफ्तार

नागपुर। नागपुर के रामदासपेठ इलाके में एक लग्जरी ऑडी कार ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे दो लोग घायल हो गए। कार का मालिक, महाराष्ट्र बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले के बेटे संकेत बावनकुले के नाम पर रजिस्टर्ड है। इस घटना के बाद पुलिस ने ड्राइवर अर्जुन हावरे और एक अन्य व्यक्ति रोनित चित्तमवार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि संकेत बावनकुले समेत अन्य तीन लोग घटनास्थल से भाग गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना की शुरुआत रात करीब 1 बजे हुई जब ऑडी कार ने जीतेंद्र सोनकांबले की कार और एक मोपेड को टक्कर मारी। इसके बाद कार ने मनकापुर इलाके की ओर जाते हुए कुछ और वाहनों को टक्कर दी और एक पोलो कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

पांगी गांव में पहाड़ी दरकी, 25 बीघा भूमि पर सेब व नकदी फसलें तबाह

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला किन्नौर के कल्पा खंड के पांगी गांव में पीरी ढांक से अचानक चट्टानें गिरने के कारण 25 बीघा से अधिक भूमि पर सेब समेत अन्य नकदी फसलें तबाह हो गईं। इससे 70 बागवानों और किसानों को भारी नुकसान हुआ। चट्टानों की चपेट में चार दोघरियां भी आईं। सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे पहाड़ी दरकने से पांगी गांव के प्राणु, तेवनंग और रूमनंग में चट्टानें गिरने से चार लोगों की दोघरियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इससे बीरबल नेगी, एवन चंद नेगी, दीनदयाल नेगी और लोक मोहन नेगी को भारी नुकसान हुआ।

मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक जांच जारी....

दिनदहाड़े राजेश ज्वेलर्स में छह करोड़ रूपए की लूट..

बलरामपुर/ संवाददाता

बलरामपुर रामानुजगंज नगर के हृदय स्थल माने जाने वाले गांधी चौक में आज दिनदहाड़े दोपहर 1:15 के करीब जिले के प्रतिष्ठित ज्वेलरी दुकान राजेश ज्वेलर्स में तीन डकैत सोना दुकान में घुस संचालक राजेश ज्वेलर्स के सिर पर बंदूक के बट से वार कर दुकान का सारा सोना लूट लिए जो करीब 8 किलो था। जिसकी कीमत 6 करोड़ के करीब आकी जारी है। घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे डकैती करने के बाद डकैत दो बाइक से पांच लोग झारखंड की ओर भागे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दोपहर 1:15 के करीब तीन लोग जिनकी उम्र 20 से 30 वर्ष के करीब लगाई जा रही है नगर के प्रतिष्ठित ज्वेलरी दुकान राजेश ज्वेलर्स में घुसे जिसमें से 1 लाल शर्ट एवं दो सफेद शर्ट पहने थे। घुसने के साथ ही वहां पहले से बैठे दंपति ग्राहक का मोबाइल लूट लिए एवं उसके बाद काउंटर के अंदर जाकर देसी कट्टा के बट से राजेश सोनी के सिर पर वार किया जिससे राजेश लहूलुहान हो गया एवं उसे दुकान के कोने में बैठा दिया वहीं दुकान की स्टाफराकेश गुप्ता को काउंटर के अंदर सोने को बोल डिस्प्ले में रखें सभी सोने के ज्वैलरी को पीला रंग के बोरा में भर वही लकार में सोने के बिस्कुट एवं अन्य ज्वेलरी को भी भरकर 15 मिनट के अंदर दो बाइक से झारखंड की ओर फरार हो गए राजेश घटना के बाद तत्काल बाहर निकाल कर हो हल्ला किया तो एवं पीछा किया परंतु वे झारखंड की ओर निकल गए तत्काल सूचना पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल को दी गई जो सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे। ग्राम चाकी के लालेश्वर गुप्ता अपनी पत्नी शोभा गुप्ता के साथ अंगूठी बदलने के लिए दुकान में सोफा पर बैठे थे इसी दौरान जब लुटेरे पहुंचे तो सबसे पहले इनका मोबाइल लूट और उसके बाद पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया लूटने के दौरान दुकान में एक अन्य ग्राहक भी मौजूद था। घटना से पूरे नगर में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया नगर में आज की तरह बात फैलते ही सैकड़ो की संख्या में लोग दुकान के सामने जमा हो गए पुलिस को भीड़ को हटाने में काफी मशक्कत बार-बार करना पड़ रहा था। राजेश ज्वेलर्स के ठीक सामने मोची बाबूलाल रवि का का दुकान है दुकान के ठीक सामने लुटेरे बाइक लगा रहे थे जिसके बाद बाबूलाल के द्वारा मना किया तो वह को कुछ आगे किया वह भी घटनाक्रम को नहीं समझ पाए 15 मिनट के बाद जब राजेश द्वारा चोरों को पकड़ने के लिए हल्ला किया जाने लगा तो सभी को घटनाक्रम की जानकारी लग सकी। पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने दुकान संचालक से मामले की जानकारी ली। उन्हें जब पता चला कि लुटेरे झारखंड की ओर भागे हैं तो वे तत्काल पुलिस टीम के साथ झारखंड की ओर रवाना हो गए। वहीं पुलिस की टीम डकैतों के भागने वाले रास्ते की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। बलरामपुर पुलिस द्वारा झारखंड की गढ़वा पुलिस से कोऑर्डिनेट स्थापित कर लुटेरे तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। दिनदहाड़े ज्वेलर्स दुकान में जब डकैत घुसे तो ग्राम चाकी के लालेश्वर गुप्ता अपनी पत्नी शोभा गुप्ता के साथ अंगूठी बदलने के लिए दुकान में सोफा पर बैठे थे।

घटना के विरोध में नगर की दुकान हुई बंद-दहशत का माहौल रहा

नगर में दिनदहाड़े हुई लूट की घटना से पूरे नगर में दहशत एवं आक्रोश का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही दुकान के बाहर सैकड़ों की संख्या में नगरवासी पहुंचे। घटना के विरोध में व्यापारियों द्वारा अपनी-अपनी दुकानें बंद कर दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह भी घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने थाने पहुंचकर तत्काल लुटेरे को पकडने की मांग की। उन्होंने कहा कि घटना से पूरे नगर के लोग दहशत में हैं। आरोपियों द्वारा दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया गया है। पूर्व विधायक ने राजेश ज्वेलर्स के संचालक राजेश सोनी से मिलकर ढांढस बंधाया। वहीं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी ज्वेलर्स संचालक से मोबाइल पर बात कर घटना की जानकारी ली। इस घटना के एक वर्ष पूर्व भी नगर के सेठ मोहल्ला में स्थित विधवा महिला के ज्वेलरी दुकान से लुटेरों द्वारा करीब 9 लाख रुपए की लूट की गई थी। पुलिस अब तक इस मामले का सुराग नहीं जुटा पाई है। इसके अलावा नगर में कई चोरी की बड़ी वारदात हुई, लेकिन किसी भी मामले में पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में पुलिस की कार्यशैली पर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं।

तिहाड़ जेल से बाहर आए इंजीनियर राशिद

राशिद बोले-मैं बीजेपी का शिकार,डरने वाला नहीं.....

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट से सांसद शेख राशिद उर्फइंजीनियर राशिद को 2 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दे दी। इसके बाद आज वह तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद इंजीनियर राशिद ने कहा कि मैं अपने लोगों को निराश नहीं करूंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं पीएम मोदी की 'नया कश्मीर' की कहानी से लड़ूंगा, जो जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने कहा कि लोगों ने 5 अगस्त 2019 को जो कुछ भी किया उसे खारिज कर दिया है।

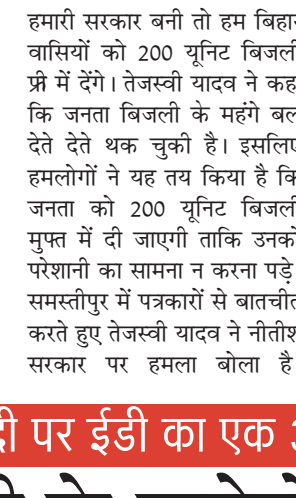

इंजीनियर राशिद ने ककहा कि मैं अपने लोगों के कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम डरने वाले नहीं हैं। उमर अब्दुल्ला जो कहते हैं, मेरी लड़ाई उससे भी बड़ी है। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई कुर्सी के लिए है, मेरी लड़ाई जनता के लिए है। उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी का शिकार हूं, मैं अपनी आखिरी सांस तक पीएम मोदी की विचारधारा के खिलाफलड़ूंगा। मैं अपने लोगों को एकजुट करने के लिए कश्मीर आ रहा हूं, उन्हें बांटने के लिए नहीं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि केवल उनकी ही पार्टी कश्मीर मुद्दे के समाधान की पैरवी करती है और 'जेलों में निरूद्ध' युवकों की बात करती हैं। उन्होंने जेल में बंद बारामुला के सांसद इंजीनियर राशिद की आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) पर निशाना साधते हुए कहा कि जेल में बंद एक व्यक्ति चुनाव लड़ रहा है।

राहुल गांधी ने अमेरिका में सिर्फ देश के मौजूदा हालात पर की बात

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में दिए गए भाषण, नागपुर हिट एंड रन केस समेत कई मुद्दों पर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका की यात्रा के दौरान भाजपा सरकार और आरएसएस पर दिए गए बयान व चीन की तारीफ के बारे में उन्होंने कहा कि राहुल ने कुछ भी गलत नहीं कहा, उन्होंने सिर्फ देश के मौजूदा हालात के बारे में बताया है। भारत में भाजपा और आरएसएस के लोग धर्म और जाति की राजनीति कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव का बड़ा एलान

हमारी सरकार बनने पर 200 यूनिट बिजली फ्री

समस्तीपुर। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा है कि अगर हमारी सरकार बनी तो हम बिहार वासियों को 200 यूनिट बिजली फ्री में देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता बिजली के महंगे बल देते देते थक चुकी है। इसलिए हमलोगों ने यह तय किया है कि जनता को 200 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जाएगी ताकि उनको परेशानी का सामना न करना पड़े। समस्तीपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन भाजपा और एनडीए के दशकों के शासन के बावजूद देश में सबसे महंगी बिजली बिहार में मिलती है। बिहार की जनता महंगी बिजली बिल तथा स्मार्ट मीटर की गड़बड़ियों से त्रस्त है।

आप निराश न हों और आपके सरदार मजबूत हैं

20 सीटें और मिल जाती तो 400 पार वाले जेल में होते...

अनंतनाग/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यदि लोकसभा चुनाव में हम 20 सीटें और जीत जाते तो 400 पार का नारा देने वाले जेल में होते। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर बिना नाम लिए ही निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग ईडी और सीबीआई के जरिए हमें डराते हैं, लेकिन गठबंधन वाले डरते नहीं हैं। यह सरकार तो टूटी-फूटी है। इसे एक पैरे नीतीश कुमार ने दी और दूसरी टीडीपी ने दी है। पहले ये लोग इस बार 400 पार

की बात करते थे। कहां गए भाई तेरे 400 पार। 240 पर आ गए। यदि हम सिर्फ 20 सीट और लेते तो ये सब लोग जेल में होते और ये लोग जेल में ही रहने के काबिल हैं। मैं यही कहूंगा कि आप निराश न हों और आपके सरदार मजबूत हैं। कोई डरने वाला नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप लोगों को इन्हें उखाड़ कर फेंकना है। हमारी सरकार आएगी और हम जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाएंगे। इसके लिए हम सारे प्रयास करेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ये लोग कहते हैं कि आप कैसे पूर्ण राज्य का दर्जा देंगे? मैं बता दूं कि सरकार कुछ नहीं करती है बल्कि जनता करती है। उन्होंने कहा कि आज की केंद्र सरकार धमकी देकर लोगों को डराती है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोग डरने वाले नहीं हैं। मैं उन्हीं के एक आदमी का काम बताऊंगा।

तालाब में नहाने गई चार लड़कियों की डूबने से मौत....

बांका। बिहार के बांका जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक तालाब में नहाने गई चार लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। सभी मृतक लड़कियों की उम्र 10 से 14 साल के बीच बताई जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बेहरार गांव के तालाब में करमा पर्व को लेकर कई लड़कियां नहाने गई थीं। नहाने के दौरान चार लड़कियां तालाब के अंदर गहरे पानी में चली गईं, जिस कारण डूबने से उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया है। आनंदपुर थाने के प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई।

नीरव मोदी पर ईडी का एक और ऐक्शन

नीरव मोदी के करोड़ों रुपये की संपत्तियां और बैंक बैलेंस जब्त

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय के मुंबई जोनल ऑफिस ने पीएनबी बैंक धोखाधड़ी मामले में नीरव मोदी से जुड़े अपराध से अर्जित संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त किया है। जब्त की गई संपत्तियों में 29.75 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां और बैंक बैलेंस शामिल हैं। ईडी ने यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। यह एफआईआर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धाराओं के तहत दर्ज की गई

थी, जिसमें कुल 6498.20 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी का आरोप था। जांच के दौरान, भारत में नीरव मोदी और उसकी कंपनियों से जुड़ी 29.75 करोड़ रुपये की संपत्तियां की पहचान की गई। इनमें भूमि, इमारत और बैंक खातों में जमा राशि शामिल है। इन संपत्तियों को धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत अस्थायी रूप से जब्त किया गया है। पीएमएलए जांच के दौरान, ईडी ने पहले नीरव मोदी और उसके सहयोगियों की भारत और विदेशों में करीब 2596 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को जब्त किया था। इसके अलावा, फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स एक्ट , 2018 के तहत मुंबई की विशेष अदालत ने नीरव मोदी और उसके सहयोगियों की 692.90 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया था।

अमित शाह का तीखा वार

कांग्रेस ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा किया आहत

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज राहुल गांधी पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस सांसद ने हमेशा देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया है और भारत की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। शाह ने एक्स पर लिखा कि देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गाँधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे जम्मू-कश्मीर में छ्यहष्ट के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गाँधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गाँधी की विभाजनकारी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी ने देश से आरक्षण को समाप्त करने की बात कह कर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से देश के सामने लाने का काम किया है। मन में पड़े विचार और सोच किसी न किसी माध्यम से बाहर आ ही जाते हैं। शाह ने कहा कि मैं राहुल गाँधी को बताना चाहता हूँ कि जब तक भाजपा है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता और देश की एकता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं में बार-बार भारत को बदनाम किया है। ऐसा लगता है जैसे वह भारतीयों और अपनी मातृभूमि की आलोचना करने के लिए विदेश जाते हैं। मैं इस तरह के बयानों

और अपनी विदेश यात्राओं के दौरान जिन लोगों से मिल रहा हूं, उनकी निंदा करता हूं।' उसकी मुलाकात मिस उमर से होती है जो एक प्रसिद्ध भारत विरोधी प्रचारक और पाकिस्तान समर्थक है। उन्होंने कहा कि वह कश्मीर को भारत का हिस्सा होने की आलोचना करने के लिए जानी जाती हैं। ऐसी भारत विरोधी ताकतें। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के दोस्त बन गए हैं। वह व्हाइट हाउस समेत विभिन्न मंचों पर भारत के खिलाफसवाल उठाने वाले लोगों से बातचीत करते हैं। वह भारत के खिलाफ फेक न्यूज और प्रोपेगेंडा मशीन बन गए हैं।' गोयल ने कहा कि हम राहुल गांधी को अंतरराष्ट्रीय धरती पर अप्रिय बयान देते हुए पाते हैं और पूरी कांग्रेस पार्टी उनकी सोच के साथ जुड़ी हुई है। वह बयान देते हैं कि भारत एक निश्चित वर्ग के लोगों के लिए सुरक्षित नहीं है लोगों को अपनी आस्था का पालन करने का अधिकार नहीं है और भारतीय जातिवादी हैं। उनका दावा है कि सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोग केवल एक विशेष जाति से आते हैं, अलग कश्मीर की वकालत करने वाले लोगों से मिलते हैं, उनका दावा है कि भारतीय नफरत करने वाले लोग हैं और भारत कुशल लोगों को महत्व नहीं देता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता के इस प्रकार के निंदनीय बयान कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाते हैं। मैं राहुल गांधी के कार्यों की निंदा करता हूं और उनसे अपील करूंगा कि वे विदेशी धरती पर भारत के हितों के खिलाफकाम करने के बजाय भारत की परवाह करें।

राहुल गांधी भारत की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली बात कही-राजनाथ

राहुल गांधी की टिप्पणी पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पलटवार किया। उन्होंने कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी अपने विदेश दौरे के दौरान जिस तरह की भ्रामक, निराधार और तथ्यहीन बातें कर रहे हैं, वह बेहद शर्मनाक और भारत की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली हैं। उन्होंने कहा है कि भारत में सिख समाज को गुरुद्वारों में पगड़ी पहनने की इजाजत नहीं है, उन्हें उनके पंथ के अनुरूप व्यवहार करने से रोका जा रहा है। यह बात एकदम बेबुनियाद और सच्चाई से कोसों दूर है। उन्होंने आगे कहा, भारत की संस्कृति की रक्षा करने में सिख समाज की जो बड़ी भूमिका रही है, उसको पूरा देश मानता है और उनका सम्मान करता है।

सार-समाचार

14 सितंबर से 1 अक्टूबर तक आयोजित होगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर होगी विभिन्न गतिविधियां आयोजित

बलरामपुर। कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत 14 सितंबर से 01 अक्टूबर तक नगरीय निकाय क्षेत्रों में आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के संबंध में बैठक ली गई। कलेक्टर ने कहा कि विभागों के समन्वय से नगरीय निकाय क्षेत्रों को पर्यावरणीय दृष्टि से हरा भरा,स्वच्छ व सुंदर बनाना है। इस कार्य में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने अभियान के तहत शहरी क्षेत्रों में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। अभियान के तहत नगरीय निकाय क्षेत्रों में तीन बिन्दुओं के आधार पर गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिनमें स्वच्छता की भागीदारी, संपूर्ण स्वच्छता और स्वच्छता लक्षित इकाई, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर शामिल है। स्वच्छता ही सेवा अभियान का उद्देश्य महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करना है। 2024 का यह अभियान विशेष रूप से प्लास्टिक कचरे के उन्मूलन, स्वच्छ पेयजल और सामुदायिक शौचालय निर्माण पर केंद्रित रहेगा। स्वच्छता के साथ-साथ लोगों को स्वास्थ के प्रति भी जागरूक किया जाएगा ताकि स्वस्थ और स्वच्छ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील, अपर कलेक्टर श्री इंद्रजीत बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री आर.एन. पांडे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुक्ति धाम में अस्थि कलश रखने अब लाकर की सुविधा भी उपलब्ध

केदारपुर के सिंहा परिवार ने अपने माता-पिता की स्मृति पर किया मुक्तिधाम को लाकर दान

अंबिकापुर/ नगर के बाघ नदी पर स्थित मुक्तिधाम में अब अस्थि क्लास रखने के लिए लाकर की भी सुविधा उपलब्ध हो गई है/जिससे लोगों को बनारस ले जाने से पहले अपने अमृत परिजनों के अस्थि कलश को सुव्यवस्थित रखने के लिए अब जूझना नहीं पड़ेगा यह पुनीत कार्य केदारपुर भट्टी रोड निवासी विनोद सिन्हा प्रदीप सिंहा राजेश सिन्हा के द्वारा अपने माता-पिता स्वर्गीय श्री तारकेश्वर प्रसाद सिंह श्रीमती स्वर्गीय सुमन सिंह के स्मृति शेष रखने हेतु अस्थि क्लास लाकर का दान शहर के स्थानीय मुक्ति धाम में किया है/

11 सदस्यी हाथियों का दल उदयपुर में मचा रहा उत्पाद, ग्रामीणों के मकान एवं फसलों को कर रहे तहस-नहस

अंबिकापुर/11 हाथियों का दल सूरजपुर जिले के प्रेमनगर ब्लॉक की ओर से होते हुए उदयपुर वन परिक्षेत्र की सीमा में 08 सितंबर को डोई फुलचुही के रास्ते दाखिल हुआ 09 सितंबर को दावा जंगल में दिन भर रहने के बाद सायं सात बजे करीब ह॥ 1 द्धद्ब30 को पार करते हुए ग्राम मनोहरपुर पहुंचे यहां से हाथियों का दल बोंगरू जंगल से तेंदू टिकरा जंगल की ओर गया यहां जंगल किनारे बने कच्चे के मकानों को कुछ नुकसान पहुंचाया है। हाथी अपने पुराने रास्ते से चलकर रानुमाडा सुखरी भंडार जंगल में प्रवेश कर चुके है। बारिश की वजह से अभी हाथियों का सही लोकेशन लेने में वन अमला को दिक्कतें आ रही हैं। वन अमला उदयपुर द्वारा दो दल बनाकर ग्रामीणजन को लगातार हाथियों से दूरी बनाकर रहने की सलाह दे रही है। हाथी जाने वाले संभावित रूट के गांव में मुनादी कराकर, गजराज वाहन के माध्यम से लोगों को सचेत किया जा रहा है। लोगों को बताया जा रहा है की हाथियों को ना छेड़े, उन्हे अपने रास्ते जाने दें, सुरक्षित दूरी बना कर रखे झुंड में उनके पीछे पीछे न दौड़े, पटाखों का प्रयोग ना करें। 10 सितंबर को वन अमला वन परिक्षेत्राधिकारी कमलेश राय, डांडगांव सर्किल के दरोगा अशोक प्रताप सिंह के नेतृत्व में वनरक्षक अमरनाथ राजवाड़े, भरत सिंह, सहीस कपूर, नंदकुमार सिंह, विष्णु कुमार, अवधेश पूरी, भैयालाल तिर्की शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ में सीमेंट के दरों में बेतहाशा वृद्धि- कांग्रेस जिला प्रवक्ता- सुनील सिंह

जनता को भाजपा की राज में लूटने की खुली छूट..

राजपुर। छत्तीसगढ़ में जब से डबल इंजन की सरकार बनी है छत्तीसगढ़ की जनता चक्की के दो पाटों के बीच पीस रही है जहां एक ओर अपराधों से हर वक्त जनता को जूझना पड़ रहा है वहीं बढ़ती महंगाई भी जनता को परेशान कर रही है सीमेंट के कीमतों में एक चौथाई की भारी भरकम वृद्धि करके भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि सरकार कमीशन खोरी और मुनाफाखोरों की सरकार है, सीमेंट उत्पादन के लिए तमाम कच्चा माल लाइमस्टोन हमारे छत्तीसगढ़ का हमारा कोयला हमारी जमीन हमारी बिजली और सीमेंट हमें महंगे दामों पर खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है ऐसा काम भारतीय जनता पार्टी भी कर सकती है छत्तीसगढ़ में विष्णु भोग के लिए विष्णु देव साय की सरकार में आम जनता से प्रति बोरी ?50 अतिरिक्त दाम वसूली जा रही है सीमेंट के दर अचानक बढ़कर 260 से 310 रुपए प्रति बोरी कर दी गई है पर छत का वादा करने वाली सरकार छत्तीसगढ़ शासन में भवन निर्माण सामग्रियों की लगातार वृद्धि कर रही है सीमेंट के दामों में बढ़ोतरी मध्यम वर्गीय परिवारों के अपने घरों के सपनों पर करारी चोट है पीएम आवास योजना पर इससे विपरीत का असर पड़ेगा देश और प्रदेश के विकास इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण में सीमेंट अत्यंत आवश्यक है सीमेंट के दाम में वृद्धि से निजी के साथ-साथ सरकारी प्रोजेक्ट की लागत बढ़ेगी रियल एस्टेट सेक्टर में भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2014 की तुलना में आधा है फिर भी डीजल पेट्रोल का दाम दोगुना वसूला जा रहा है भूखंडों की रजिस्ट्री में 30त्न की छूट प्रदेश की भाजपा सरकार ने खत्म कर दी है बिजली बिल दुगना आ रहा है और सीमेंट किस तरह से बढ़ती कीमतें महंगाई की मार सीधे जनता पर पड़ रही है।

कांग्रेस पार्टी ने यह मांग किया है कि सीमेंट पर बढ़ी हुई दरों को सरकार वापस ले और सीमेंट को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कमोडिटी की तरह सूची में शामिल करें इन्हीं मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार के जनविरोधी नीतियों रवैया के विरोध में जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन आगामी दिनांक 12 सितंबर 2024 को किया जाना है जो हमारे जिले में भी आयोजित होगी।

कांग्रेस द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी महामंत्री जितेंद्र गुप्ता भी मौजूद थे।

6 से 12 अक्टूबर तक होगा विजय दशमी सप्ताह महोत्सव का आयोजन

विजय दशमी उत्सव को लेकर सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति की संयुक्त बैठक

//**अंबिकापुर**// विजय दशमी उत्सव को लेकर सरगुजा सेवा समिति एवं नागरिक समिति की संयुक्त बैठक समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति में श्री राम मंदिर भजनाश्रम में सम्पन्न हुई। यह जानकारी देते हुए सरगुजा सेवा समिति के महासचिव संजय अग्रवाल ने बताया कि समिति की बैठक में इस बार विजयादशमी उत्सव को भव्य रूप में मनाने का निर्णय लेते हुए 6 से 12 अक्टूबर तक विजय दशमी सप्ताह महोत्सव का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि आगामी 12 अक्टूबर को विजय दशमी पर्व पर आयोजित किए जाने वाले रावण दहन कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा भी समिति द्वारा निर्धारित किया गया जिसमें 6 व 7 अक्टूबर को मानस गायन प्रतियोगिता, 9 अक्टूबर को लोकनृत्य प्रतियोगिता शामिल है। सभी प्रतियोगिता के लिए 3 अक्टूबर तक प्रवेश लेने की अंतिम तिथि निर्धारित है। उन्होंने बताया कि इस बार समिति ने महिला एवं पुरुष वर्ग की अलग अलग प्रतियोगिताएं रखी है। 6 अक्टूबर को महिला वर्ग का मानस गायन तथा 7 अक्टूबर को पुरुष वर्ग का मानस गायन रखा गया है। मानस गायन प्रतियोगिता का स्थान सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय प्रांगण में निर्धारित किया गया है। सभी वर्गों में प्रवेश के लिए 100 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस बार समिति ने विशेष रूप से शैला व कर्मा नृत्य के साथ साथ सुगा नृत्य के लिए भी अलग से प्रतियोगिता में स्थान दिया है जिसमें प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। 20 दल शैला व कर्मा के तथा 10 दल सुगा नृत्य हेतु प्रवेश तय किया गया है। सभी प्रतियोगिताएं कला केंद्र मैदान में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि मानस गान एवं नृत्य प्रतियोगिताओं हेतु प्रथम पुरस्कार 11000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 7000 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 5000 रुपये दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक प्रवेश लेने वाली टीम को 2000 रुपये समिति की ओर से दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को पी जी कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रम में इस बार 85 फिट का रावण, 60 फीट का कुंभकर्ण तथा 50 फीट का मेघनाथ का पुतला बनेगा। विजयादशमी के दिन श्री राम मंदिर से कॉलेज ग्राउण्ड तक श्रीराम, लक्ष्मण, सीता तथा हनुमान जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें नगर के गणमान्य व आम नागरिकगण शामिल होंगे। बैठक में समिति के अखिलेश सोनी, आलोक दुबे, शफी अहमद, संजय मित्तल, मधुसूदन शुक्ला, संजय अग्रवाल महिमा, प्रयाग साहू राजेश कश्यप, बबलू मिश्रा, राजेश सिंह देवा, नरेन्द्र टूटेजा, मंजूषा भगत, विद्या नंद मिश्रा, विशाल गोस्वामी, महेंद्र अग्रवाल, पिंटू विश्वकर्मा, प्रहलाद शर्मा, नीरज अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, जयंत जैन, मधु चौदह, नीलम राजवाडे, प्रियंका चौबे तथा शिनू जायसवाल सहित दोनों समितियों के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पीएम जनमन आवास योजना से जिले के पीवीटीजी के सपने हो रहे पूरे

सरकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने शासन-प्रशासन प्रतिबद्ध

सुरजन कोरवा को मिला आवास का सहारा

बलरामपुर। राज्य शासन के द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के परिवारों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उनके सामाजिक और आर्थिक विकास में सहयोग प्रदान कर उन्हे विकास के पथ पर अग्रसर करना है। जिले में पहाड़ी कोरवा समुदाय का एक विशेष स्थान है। जहां शासन-प्रशासन के प्रयासों से पीवीटीजी परिवारों को बेहतर जीवन शैली के लिए मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास जारी है। वैसे तो एक तरह से देखा जा सकता है कि पीवीटीजी परिवारों की स्थितियों में सुधार के लिए कई पहल किए गए हैं। लेकिन जब से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का सुशासन आया तब से पहाड़ी कोरवा परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पीवीटीजी बसाहटों में पहल तेज हुई है।

जहां पीवीटीजी समुदाय के लोगों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इन्ही प्रयासों का नतीजा है कि प्रधानमंत्री न्याय महाभियान अंतर्गत पहाड़ी कोरवा सदस्यों को शासन की योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जनमन आवास, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशनकार्ड, आदि महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

इन्हीं योजनाओं से लाभान्वित श्री सुरजन कोरवा पक्के आवास के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। वे बताते हैं जिले के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम पचायत सरगढ़ी के ग्राम गोविन्दपुर के निवासी है। पक्के मकान से पहले वो लकड़ियों और पैरा से बनाए गए झोपड़पट्टी में रहने को मजबूर थे। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में पत्नी और बेटा रहते थे। बेटे की असामायिक मृत्यु हो जाने से घर की हालात और भी खराब हो गई। एक तरफ बेटे के जाने का दु:ख और दूसरे तरफ घर की परिस्थितियां उनके मन को चिंतित कर रही थी। लकड़ी और पैरा से बने घर में उन्हें काफी तकलीफें का सामना करना पड़ रहा था, जहां एक तरफजीव-जन्तु का डर वहीं दूसरी ओर मौसम की मार पेरशानियों को कम नहीं कर रही थी। आगे वे बताते हैं कि मजदूरी कर वह अपना जीवन यापन करते हैं। ऐसे में घर बनाने के लिए असहाय थे। तब पीएम जनमन के तहत उनको पक्का आवास मिला। श्री सुरजन ने जनमन अभियान से हुए परिवर्तन के बारे में बताया कि आज उनका खुद का पक्का आवास है। वे कहते हैं हम जैसे आदिवासी जनजातियों के लिए प्रधानमंत्री संवेदनशीलता दिखाते हुए प्राथमिकता से कार्य कर रहे हैं। सुरजन के पास आज आधार कार्ड भी है जिसके माध्यम से अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने में सक्षम है और जनमन शिविरों में भी जाकर योजनाओं की जानकारी लेते हैं। ताकि शासन की योजना का लाभ उठा सकें।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव की पहल पर रायगढ़ रोड की मरम्मत का कार्य जनसहयोग से प्रारंभ

अंबिकापुर/ पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव की पहल पर आज पुन: रायगढ़ रोड की मरम्मत का कार्य जनसहयोग से प्रारंभ किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 के अंतर्गत आने वाले इस मार्ग की स्थिति बारिश में बेहद जर्जर हो गई थी। इसी राजमार्ग में मनेन्द्रगढ़ रोड की जर्जर स्थिति को सुधारने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने जन्माष्टमी के दिन जनसहयोग से कार्य प्रारंभ किया था। तब उन्होंने कहा था कि यदि राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग शहर से गुजरने वाले रोड की मरम्मत नहीं करता है तो वे अन्य मार्गो के सुधार के लिए पहल प्रारंभ करूँगा। जन्माष्टमी के बाद 15 दिन बिताने के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने जर्जर हुए मार्गो के सुधार की दिशा में कोई सुध नहीं ली। आज उनकी पहल पर भारत माता चौक से दरिमा मोड़ की ओर मार्ग सुधार का कार्य प्रारंभ हुआ। आज के कार्य के लिए 6 हाइवा फिलिंग मटेरियल उपयोग किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता की देखरेख में यह कार्य आज भारत माता चौक की ओर से प्रारंभ हुआ जो डॉ फिरदौस हॉस्पिटल से आगे तक चला। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, अरविंद सिंह एवं दुर्गेश गुप्ता भी मौजूद थे।

छत पर कपड़ा उतारने गए 13 वर्षीय बालक आया हाई टेंशन तार की चपेट में घटनास्थल पर ही मौत

अंबिकापुर/ शहर के फुंदुरडिहारी पटेलपारा में मंगलवार की शाम डॉक्टर के मकान के ऊपर से गुजरे हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 13 वर्षीय बालक की मौत हो गई। वह छत पर कपड़े उतारने गया था, इसी दौरान वह चपेट में आ गया। बालक का शरीर जलता देख वहां मौजूद लोगों ने तार से छुड़ाया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की।

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत फुंदुरडिहारी पटेलपारा में डॉक्टर अग्रवाल के किराए के मकान में युद्धवीर चौहान अपने परिवार के साथ रहता है। मकान के छत के पास से ही हाईटेंशन तार गुजरा हुआ है। मंगलवार की शाम युद्धवीर का 13 वर्षीय पुत्र अंश चौहान छत पर कपड़े उतारने गया था

इसी दौरान वह हाइटेंशन तार की चपेट में आ गया। इससे उसका शरीर जलने लगा। नीचे खड़े लोगों ने जब यह घटना देखी तो वे शोर

मचाते हुए छत पर पहुंचे और किसी तरह बालक को छुड़ाया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस- इसकी सूचना वहां के लोगों ने गांधीनगर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच की और शव को बरामद कर पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

खबर प्रकाशित न करने को लेकर पत्रकारों को शराबी शिक्षक दे रहे थे पैसा

चरमराई शिक्षा व्यवस्था शराब पीकर स्कूल पहुंचे शिक्षक विशेष आरक्षित जनजाति के बच्चों का भविष्य अधर में

अंबिकापुर/ सरगुजा जिले में शिक्षा व्यवस्था की पोल खुलती नजर आ रही है। यहां स्कूल में शिक्षक शराब पीकर बच्चों को पढ़ाने पहुंच रहे हैं तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि बच्चों का भविष्य कैसे उज्जवल होगा। पुरा मामला सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला लब्जी का है। इस स्कूल में विशेष जनजाति के करीब 38 बच्चे अध्यनरत है। इन्हें पढ़ाने की जिम्मेदारी दो शिक्षकों की है। वही एक शिक्षक अपने ट्रेनिंग में चले जाते हैं तो दूसरे शिक्षक पौलुस तिर्की शराब पीकर स्कूल पहुंच जाते हैं ऐसे में वह बच्चों को क्या पढ़ा रहे होंगे इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। शिक्षक शराब में मस्त हैं तो बच्चे खेलने में मग्न हो गए,,आप को बताना लाजमी होगा की शिक्षा विभाग में फैली अवस्थाएं और शिक्षकों की इस प्रकार की हरकतों को स्कूल से बाहर न निकले और लोगो के बिच

न आए इसके लिए लखनपुर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने भी तुगलकी फरमान जारी कर दिया कि बच्चों के परिजन और विभागीय अधिकारीयो के अलावा बाहरी व्यक्ति स्कूल परिसर के अंदर साला समय में प्रवेश न कर सके। अब इस फरमान से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शिक्षा विभाग अपने कमियो को छुपाने के लिए इस प्रकार हथकंडे अपना रहा है। शिक्षक शराब के नशे में धुत है और स्वीकार भी कर रहे हैं कि वह शराब पीकर आए हैं जब मीडिया कर्मियों ने उनसे बातचीत की तब वह कैमरे से बचते नजर आए वही मामले को आगे नहीं बढ़ने के लिए पैसे भी दे रहे हैं।एक ओर जहां जिले के कलेक्टर शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने जंगल और पहाड़ियों में पैदल चलकर स्कूल के संचालक को देखने पहुंच रहे हैं। तो वहीं कई ऐसे स्कूल है जहां इस प्रकार के शिक्षक पदस्थ हैं और बेधड़क शराब पीकर स्कूल में जाकर बच्चों को पढ़ाने की कोशिश करते हैं हालांकि अब देखना होगा कि जिले के कलेक्टर और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी इस मामले को लेकर किस प्रकार की कार्यवाही करते हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी का तुगलकी फरमान- लखनपुर विकासखंड में शिक्षा विभाग में फैली अव्यवस्थाओं को लगातार समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा रहा था। खंड शिक्षा अधिकारी यह नागवार गुजरा और शिक्षा स्तर में सुधार करने के बजाय 13 अगस्त 2024 को एक तुगलकी फरमान जारी किया गया जिसमें बच्चों के परिजन और विभागीय अधिकारियों के अलावा बाहरी व्यक्तियो को साला समय में प्रवेश न कर सके। जब स्थानीय पत्रकारों के द्वारा तुगलकी फरमान को लेकर विरोध जताया गया। तो खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा 10 सितंबर दिन मंगलवार को इस तुगलकी फरमान को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया।

मुक्तिधाम में अस्थि कलश रखने अब लाकर की सुविधा भी उपलब्ध - केदारपुर के सिंहा परिवार ने अपने माता-पिता की स्मृति पर किया मुक्तिधाम को लाकर दान

अंबिकापुर/नगर के बाघ नदी पर स्थित मुक्तिधाम में अब अस्थि क्लास रखने के लिए लाकर की भी सुविधा उपलब्ध हो गई है/जिससे लोगों को बनारस ले जाने से पहले अपने अमृत परिजनों के अस्थि कलश को सुव्यवस्थित रखने के लिए अब जूझना नहीं पड़ेगा यह पुनीत कार्य केदारपुर भट्टी रोड निवासी विनोद सिन्हा प्रदीप सिंहा राजेश सिन्हा के द्वारा अपने माता-पिता स्वर्गीय श्री तारकेश्वर प्रसाद सिंह श्रीमती स्वर्गीय सुमन सिंह के स्मृति शेष रखने हेतु अस्थि क्लास लाकर का दान शहर के स्थानीय मुक्ति धाम में किया है/

संक्षिप्त समाचार

AICTE और OPPO India ने पूरे देश के कॉलेजों में 'जनरेशन ग्रीन' अभियान के अंतर्गत ई-वेस्ट अवेयरनेस कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली: ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (AICTE) और OPPO India ने आज देश में इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट जागरुकता अभियान (ई-वेस्ट) के अंतर्गत रामजस कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 'जनरेशन ग्रीन' अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की। इसके साथ ही यह कॉलेज इस कार्यक्रम के अंतर्गत पहला 'ईको-कॉन्शियस चैंपियन इंस्टीट्यूट' बन गया है। OPPO India और U AICTE ने कार्यक्रम के पहले चरण में भारत में कॉलेजों के युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करके उनमें हरित कौशल को बढ़ावा दिया। इन इंटर्नशिप्स के लिए 1,400 से ज्यादा संस्थानों के 9,000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 5000 विद्यार्थियों का चयन किया गया। अब इन विद्यार्थियों को जागरुकता के सत्रों, ई-सर्वे, ग्रीन डे जश्नों के आयोजनों जैसी सस्टेनेबिलिटी की गतिविधियों में लगाया जा रहा है।

सैमसंग ने एडवांस्ड एआई फीचर्स के साथ अपनी बीस्पोक एआई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज लॉन्च की

गुरुग्राम : भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत में अपनी नई बीस्पोक एआई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज लॉन्च की। रेफ्रिजरेटर की नई सीरीज शानदार डिजाइन और कई एआई फीचर्स से लैस है। इन फीचर्स में स्मार्टथिंग्स एआई एनर्जी मोड, स्मार्टथिंग्स होम केयर और स्मार्ट फॉरवर्ड, कन्वर्टिबल 5-इन-1, ट्विन कूलिंग प्लसइ और एक्टिव प्रेश फिल्टर+ शामिल हैं। ये रेफ्रिजरेटर्स भारतीय उपभोक्ताइओं की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करेंगे। सैमसंग बीस्पोक एआई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज ग्लास और स्टील फिनिश में कई विकल्पों, ब्लैक ग्लास, ब्लैक मैट, लक्ज़ ब्लैक, एलिगेंट आइनॉक्स और रिफाइंड आइनॉक्स में मौजूद है, जिसमें आप अपने पसंदीदा रेफ्रिजरेटर का चुनाव कर सकते हैं। सैमसंग की नई बीस्पोक आई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज तीन साइज- 396 लीटर, 419 लीटर और 465 लीटर में उपलब्ध होगी। 64990 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध रेफ्रिजरेटर में उपभोक्ताओं को बड़ी स्टोरेज क्षमता, सुविधा और लचीलापन मिलेगा। सैमसंग इंडिया में डिजिटल अप्लायंसेज बिजनेस के सीनियर डायरेक्टरर श्री सौरभ बैशाखिया ने कहा, रेफ्रिजरेटर श्रेणी में लीडर होने के नाते, हमारा ध्यान कूलिंग के अलावा कई दूसरी चीजों पर है। उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने के लिए हमारे अप्लायंसेज यूजर्स की पहुंच और बजट में है। यह उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुकूल बनाए गए है और इनकी काफी शानदार डिजाइनिंग की गई है। बीस्पोक एआई डबल डोर रेफ्रिजरेटर आपके घरों में आसानी से अपनी जगह बनाकर घरों की खूसबरती में चार चांद लगाते हैं। यह एडवांस एआई फीचर्स, बीस्पोक डिजाइन और बड़ी स्टोरेज क्षमता से लैस हैं। इसमें यूजर्स को परफॉर्मेंस, ऊर्जा दक्षता और डिजाइन का परफेक्ट संयोजन मिलता है।''

टाटा मोटर्स ने 'फेस्टिवल ऑफ कार्स' लॉन्च किया

मुंबई: भारत की अग्रणी ऑटोमोटिव कंपनी टाटा मोटर्स ने अपना सबसे बड़ा 'फेस्टिवल ऑफ कार्स' लॉन्च किया है, जो त्यौहारों के इस सीजन में बेहतरीन ऑफर्स दे रहा है। कंपनी की लोकप्रिय कारें और एसयूवी ऐसी कीमतों पर पहली बार मिल रही हैं और उपभोक्ता के लिये हमारे शोरूम्स पर कई दूसरे फायदे भी उपलब्ध हैं। कुलमिलाकर ग्राहक 2.05 लाख रूपये के लाभ प्राप्त कर सकते हैं और उनके लिये यह अविश्वसनीय दामों पर अपने सपनों की कार खरीदने का बढ़िया मौका है। त्यौहारों के लिये खास ऑफर 31 अक्टूबर, 2024 तक की सीमित अवधि के लिये पेट्रोल, डीजल और सीएनजी से पावर्ड सभी कारों तथा एसयूवी पर उपलब्ध हैं। 'फेस्टिवल ऑफकार्स' की घोषणा करते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लि. के चीफ कॉमर्शियल ऑफीसर श्री विवेक श्रीवत्स ने कहा, ''त्यौहारों का सीजन आने के साथ ही, हम अपने ग्राहकों के लिये ढेर सारे आकर्षक ऑफर्स लाकर बहुत खुश हैं। आईसीई व्हीकल्स पर कुल 2.05 लाख रुपये तक के फायदों के साथ, इस साल त्यौहारों के जश्न में कीमतों की सीमित समय के लिये, लेकिन आकर्षक गिरावट और साथ ही एक्सचेंज तथा कैश के लुभावने फायदे शामिल हैं। ऐसे में यह नई शुरूआत के उत्साह में खो जाने का बढ़िया मौका है। हमें विश्वास है कि टाटा की कार का मालिक बनने के लिये ग्राहक इस बेजोड़ अवसर का लाभ उठाएंगे और सुरक्षा तथा डिजाइन के सबसे बढ़िया संयोजन वाली कार खरीदकर त्यौहारों के इस सीजन को वाकई खास बनाएंगे।''

छोटा सा कार्टून कहता है बड़ी बात

मुख्यमंत्री कार्टून वॉच कार्टून फेस्टिवल-2024 में हुए शामिल

- मुख्यमंत्री ने उल्लेखनीय योगदान के लिए कार्टूनिस्टों को किया सम्मानित
- कभी-कभी सम्पादकीय में जिस बात को आधे पेज में लिखा जाता है, उसे सिर्फएक कार्टून के माध्यम से व्यक्त कर दिया जाता है

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री ने उल्लेखनीय योगदान के लिए कार्टूनिस्टों को किया सम्मानितमुख्यमंत्री ने उल्लेखनीय योगदान के लिए कार्टूनिस्टों को किया सम्मानितमुख्यमंत्री ने उल्लेखनीय योगदान के लिए कार्टूनिस्टों को किया सम्मानित मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में कार्टून वॉच पत्रिका द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल-2024 में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कार्टून फेस्टिवल-2024 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कार्टून एक ऐसी कला जिसके द्वारा बहुत थोड़ी जगह में पूरी बात को स्पष्टता के साथ मनोरंजक और व्यंगात्मक ढंग से व्यक्त किया जाता है। छोटा सा कार्टून बड़ी बात कहता है। कभी-कभी सम्पादकीय में जिस बात को आधे पेज में लिखा जाता है, उसे सिर्फएक कार्टून के माध्यम से व्यक्त कर दिया जाता है । मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्टून फेस्टिवल में इंदौर के कार्टूनिस्ट श्री इस्माइल लहरी को कार्टून क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने कार्टून फेस्टिवल में संत श्री तुलसीदास जी के दोहों पर आधारित कार्टून पुस्तक 'तुलसी सुगन्ध' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस कार्टून फेस्टिवल में शामिल होना मेरे लिए बहुत आनन्द का विषय है। यह बहुत खुशी की बात है कि कार्टून वॉच परिवार लगातार 28 वर्षों से कार्टून के क्षेत्र में कार्य को कर रहा है। श्री त्रयम्बक शर्मा कार्टून की पूरी मैगज़ीन निकाल रहे हैं, जो कि बहुत बड़ी बात है। इसके लिए मैं कार्टून वॉच परिवार को बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि कार्टून वॉच मैगज़ीन के 28 साल की सतत यात्रा रही है। कार्टून एक ऐसा माध्यम जो समाज को आईना दिखाता है। कार्टून कभी गुदगुदाता है तो कभी ऐसी कड़वी दवाई की तरह होता है, जिसका परिणाम अच्छा होता है। कार्टूनिस्ट देश की परिस्थिति को कलम से अभिव्यक्त करता है। वह समाज को नई दिशा देता है । कार्टून और एनिमेशन समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करते हैं। इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कार्टूनिस्ट श्री त्रयम्बक शर्मा ने कार्टून की विधा को जिंदा रखा है। वे कार्यक्रम के जरिये नई पीढ़ी तक कार्टून को पहुंचा रहे हैं । इस मौके पर कार्टून विधा से जुड़े डॉ के सी पन्त और मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, डॉ हिमांशु द्विवेदी, श्री इस्माइल लहरी, कार्टून वॉच के सम्पादक श्री त्रयम्बक शर्मा सहित कई कार्टूनिस्ट और साहित्य-कला क्षेत्र से गणमान्य-जन उपस्थित रहे।

हरीश कोटक के काव्य संग्रह विरासत का हुआ विमोचन....

- संकेत साहित्य समिति का 44 वाँ स्थापना दिवस, हर घर में एक कोना साहित्य के लिए भी हो

रायपुर। संकेत साहित्य समिति' के 44वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सामाजिक संस्था श्री लोहाणा महापरिषद एवं श्रीलोहाणा महाजन के सहयोग से कल एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरीश कोटक के काव्य संग्रह 'विरासत' का विमोचन हुआ और एवं काव्य गोष्ठी भी आयोजित की गयी। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ.चित्तरंजन कर, कार्यक्रम के अध्यक्ष गिरीश पंकज , प्रमुख वक्ता डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' तथा विशेष अतिथि अब्दुस्सलाम कौसर, सुख़नवर , किशन भाई मिराणी और प्रकाश भाई दावड़ा मंचासीन रहे और काव्य-संग्रह का विमोचन किया। अपनी पुस्तक 'विरासत' के संदर्भ में बोलते हुए हरीश कोटक ने अपनी कुछ प्रमुख रचनाएँ प्रस्तुत की तथा काव्ययात्रा के प्रेरक प्रसंगों को साझा किया। उन्होंने कहा कि हर घर में साहित्य के लिए भी एक कोना जरूर होना चाहिए।सुखनवर हुसैन ने कहा कि कवि ने बड़ी खूबसूरती से जीवन के विभिन्न पहलुओं को चित्रित किया है। प्रकाश भाई दावड़ा ने कोटक के सामाजिक प्रयासों की सराहना की। शायर अब्दुस्सलाम कौसर ने कहा कि कि कोटक की कविताओं में आम आदमी का दिल धड़कता हुआ महसूस होता है। प्रमुख वक्ता डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने कोटक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हरीश कोटक की कविताओं में जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों की संशिलष्ट सर्जना शामिल है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गिरीश पंकज ने कहा कि हरीश कोटक की रचनाओं में निहित भावपक्ष बेहद प्रभावशाली है। मुख्य अतिथि डॉ. चित्तरंजन कर ने कहा कि हरीश कोटक की रचनाओं में भाषा की सरलता एवं संप्रेषणीयता अदभुत दिखाई देती है।

गृहमंत्री की फटकार के बाद पुलिस ने पकड़ा कबाड़

रायपुर। गृह मंत्री ने पुलिस विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए कोरबा पुलिस को डीजल और कबाड़ चोरी को लेकर फ़तकरलगाय तो बालको पुलिस ने कबाड़ पकड़ लिया। पकडा गया कबाड़ स्थानीय कबाड़ी राजेश साहू का बताया जा रहा है। बालको टीआई अभिनव कांत के अनुसार 106 की कार्रवाई करते हुए जब्त कबाड़ की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अवैध कारोबार को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कोरबा पुलिस को सख्त निर्देश दिया था। गृहमंत्री के कड़े तेवर दिखाते ही बालको पुलिस ने शुक्रवार को कबाड़ से भरी ट्रक को जप्त कर डैमेज कंट्रोलका प्रयास किया। बालको टीआई अभिनव कांत के अनुसार मुखबिर की सूचना पर कबाड़ लोड ट्रक को पकड़ा गया है जो बालको के कबाड़ कारोबारी राजेश साहू का है।

अपने घर की महिलाओं को न्याय नहीं दिला पा रहे कांग्रेस नेताओं

कांग्रेस को महिला सुरक्षा पर बोलने का कोई हक नहीं-राधिका खेरा.....

रायपुर। कांग्रेस छोडक़र भाजपा में शामिली हुई राधिका खेरा ने कहा कि कांग्रेस के नेता अपने घर की महिलाओं को न्याय नहीं दिला पा रहे हैं। ऐसे में उन्हें महिला सुरक्षा पर बोलने का कोई हक नहीं है। राधिका खेरा ने संचार विभाग के मुखिया सुशील आनंद शुक्ला पर आरोप लगाया कि पहले भी महाराष्ट्र के मीडिया प्रभारी से बदसलूकी की थी, लेकिन पार्टी ने कोई कार्रवाई नहीं की। सोमवार को एकात्म परिसर में मीडिया से चर्चा में राधिका खेरा ने एक बार फिर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने पिछले दिनों कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के रायपुर की पत्रकारवार्ता में साय सरकार पर महिलाओं को सुरक्षा नहीं दे पाने के आरोपों का तीखा पलटवार किया। उन्होंने लोकसभा चुनाव के बीच अपने साथ घटित प्रकरण की विस्तार से जानकारी दी। राधिका खेरा ने कहा कि कांग्रेस के नेता खुद महिलाओं को सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। उनसे अपना घर नहीं संभल रहा है, और अपने घर की महिलाओं तक को न्याय नहीं दे पा रहे हैं। राधिका खेरा ने कहा कि जिस सुशील आनंद शुक्ला के साथ बैठकर सुप्रिया श्रीनेत भाजपा सरकार पर आरोप लगा रही हैं वो सुशील आनंद खुद अपनी पार्टी की महिला से दुर्व्यवहार कर चुके हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। राधिका खेरा ने कहा कि वे छात्र राजनीति से आई थी, और छत्तीसगढ़ के चुनाव के लिए उन्हें कांग्रेस हाईकमान ने मीडिया प्रभारी बनाकर भेजा गया था। वो पहले भी तीन चुनाव में यहां काम कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान अपने साथ घटित चुनाव में महाराष्ट्र के मीडिया प्रभारी अतुल पाटिल के साथ भी दुर्व्यवहार किया था।

लीड ग्रुप की टेकबुक भारत में छात्रों की पढ़ाई में बदलाव लाने के लिए है तैयार

रायपुर। भारत की सबसे बड़ी स्कूल एडटेक कंपनी, लीड ग्रुप ने आज टेकबुक लॉन्च करने की घोषणा की, जिसे पारंपरिक पाठ्यपुस्तक-आधारित शिक्षा में आमूल बदलाव लाने के लिए तैयार किया गया इंटेलीजेंट बुक है। टेकबुक आज स्कूली छात्रों की पठन-पाठन से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए तीन अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और एनसीएफ के अनुकूल पाठ्यक्रम लेकर आया है। लीड ग्रुप के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी, सुमीत मेहता ने कहा, फ्रसदियों से, पाठ्यपुस्तकों की कक्षा में पढ़ाई के लिहाज़ से महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जबकि एआई और एआर/वीआर ने दुनिया भर में उद्योगों में व्यक्तिगत ज़रूरत के अनुरूप मल्टी-मॉडल और गेमीफ़ाइड अनुभवों की ओर बढ़ने में मदद की है। हम अपने देश के भविष्य के लिए कुछ आगे का लेकर आए हैं। टेकबुक टेक्नोलॉजी, शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम पर किए गए सालों के शोध का एक क्रांतिकारी परिणाम है, और यह छात्रों के पठन-पाठन के तरीके को हमेशा के लिए बदल देगा। हमें उम्मीद है कि 2028 तक भारत के शीर्ष 5000 स्कूल टेकबुक को अपना लेंगे, जिससे देश भर की कक्षाओं में व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप संवादपरक पठन-पाठन आम बात बन जाएगी। टेकबुक आवश्यकताओं के अनुरूप संवादपरक पठन-पाठन का अनुभव पेश कर पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं को तोड़ता है। अलग-अलग समझ के स्तर वाली कक्षाओं में, टेकबुक हर छात्र के लिए निर्देश को व्यक्तिगत ज़रूरत के अनुरूप ढालता है। इसमें तीन महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं: ऑगमेंटेड रियलिटी: पारंपरिक 2डी पाठ्यपुस्तकें छात्रों की जटिल अवधारणाओं को समझने की क्षमता को सीमित करती हैं जबकि इन अवधारणाओं की प्रकृति आम तौर पर 3डी होती है। टेकबुक विज्ञान और गणित जैसे विषयों को एआरआई (ऑगमेंटेड रियलिटी इंस्ट्रक्टर) के साथ जीवंत बनाता है, जिससे छात्र 3डी तरीके से विषयों को सीख सकते हैं। व्यक्तिगत ज़रूरत के अनुसार पढ़ाई करने का अनुभव: भाषा सीखने के लिए टेकबुक का आईआरए (इंडिपेंडेंट रीडिंग असिस्टेंट) व्यक्तिगत शिक्षक के रूप में काम करता है, जो छात्रों को किताबें पढ़कर सुनाता है, साथ ही जब छात्र पढ़ते हैं तो वह उनके पठन के प्रवाह और उच्चारण पर वास्तविक समय की प्रतिक्रिया देता है। व्यक्तिगत ज़रूरत के अनुरूप अभ्यास: पीआईई (पर्सनलाइज्ड इंटरैक्टिव एक्सरसाइज़) के साथ, छात्रों को विभिन्न किस्म के एक्सरसाइज़ मिलते हैं जिन्हें अपनी ज़रूरत के अनुरूप ढाला जा सकता है। इसलिए छात्र अपनी गति से विषयों में महारत हासिल कर सकते हैं, जिससे वे मज़ेदार तरीके से निरंतर सीख सकते हैं। सुमीत ने कहा, पहले साल में, टेकबुक देश के शीर्ष 400 इनोवेटर स्कूलों के लिए 'केवल आमंत्रण' पर उपलब्ध होंगे। हम पठन-पाठन में एक नया मानक स्थापित करना चाहते हैं और दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि भारत स्कूलों में एआई और टेक्नोलॉजी को छात्रों को केंद्र में रखते हुए शिक्षकों की सहायता करने के मामले में आगे है।

मीशो का ईकॉमर्स फेस्टिव फोरकास्ट 2024 ग्राहक बड़ी संख्या में अपना शॉपिंग बजट बढ़ाने वाले हैं

रायपुर: भारत के एकमात्र ट्रू ईकॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने आज अपनी 'ईकॉमर्स फेस्टिव फोरकास्ट 2024' रिपोर्ट जारी की। त्योहारों से पहले पेश की गई इस रिपोर्ट में आगामी त्योहारों के लिए विक्रेताओं की तैयारी का विस्तृत विश्लेषण दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि ग्राहक शॉपिंग करने की क्या योजना बना रहे हैं। यह विस्तृत रिपोर्ट त्योहारों पर ऑनलाईन शॉपर्स की विकसित होती हुई पसंद का अनुमान देती है। इन त्योहारों पर ई-कॉमर्स विक्रेता अपने ऑपरेशंस बढ़ाने की क्या रणनीति बना रहे हैं, इस रिपोर्ट में इस बारे में भी बताया गया है। मेघा अग्रवाल, जनरल मैनेजर, बिज़नेस एट मीशो ने कहा, ''त्योहारों से पहले मीशो की 'ई-कॉमर्स फेस्टिव फोरकास्ट 2024' रिपोर्ट में ग्राहकों और विक्रेताओं के बदलते परिदृश्य का खुलासा हुआ है। एक तरफ़ ज्यादातर ग्राहक ऑनलाईन खरीदी का बजट बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, वहीं सोशल मीडिया भी शॉपिंग को प्रभावित कर रहा है- हमारे आधे यूज़र्स उत्पादों की सिफारिश के लिए इन्फ्लुएंसर्स पर भरोसा करते हैं, जिससे खरीद के निर्णय को प्रभावित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका प्रदर्शित होती है। हमारे विक्रेता, जो ई-कॉमर्स में नए हैं, उनके लिए इनोवेशन बहुत आवश्यक है। विक्रेता नई श्रेणियों में प्रवेश कर रहे हैं, और इनोवेटिव उत्पाद लॉन्च कर रहे हैं, जिससे ग्राहकों की विकसित होती हुई मांग को पूरा करने की उनकी प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। मीशो में हम इस वृद्धि में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। हम भारत में लाखों लोगों की फेस्टिव शॉपिंग का अनुभव बेहतर बना देंगे।''

राष्ट्रीय पोषण माह रोजाना के आहार में बादाम की महत्वपूर्ण भूमिका को समझें

रायपुर, एक संतुलित और पौष्टिक आहार पूरे स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। सही पोषण और खानपान की सेहतमंद आदतों के महत्व को समझने के लिए हम 1 से 30 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाते हैं। पोषण संबंधी समस्याओं को सुनने, लोगों तथा कम्युनिटीज को जागरूक करने, सशक्त बनाने तथा खानपान के बेहतर विकल्पों को चुनने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सही स्वास्थ्य पाने के लिए पौष्टिकता से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे बादाम, साबुत अनाज, सब्जियां, फ्रूट, फलियां और इस प्रकार की अन्य चीजों से युक्त संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी है। बादाम में 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जिनमें विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, जिंक, पोटेशियम और आहारीय फाइबर शामिल हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं। अपनी फिटनेस की दिनचर्या और आदतों के लिए जानी जाने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, मैं सोच-समझकर सेहतमंद खानपान की आदतों को पालन करती हूं। साथ ही अपने पोषण पर भी नजर रखने की कोशिश करती हूं, क्योंकि अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए ये बेहद जरूरी हैं। मुझे हर मील में पौष्टिकता से भरपूर फूड्स को शामिल कर खाने का पहले ही प्लान करना पसंद है। राष्ट्रीय पोषण माह पर अपनी बात रखते हुए, रीजनल हेड-डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रितिका समद्दर कहती हैं, आसानी से मिलने और तेज रफ्तार जीवनशैली की वजह से जंक और एचएफएसएस (हाई फैट, शुगर, सॉल्ट) जैसी चीजें खाने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियां और मोटापा जैसी जीवनशैली संबंधी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। इसलिए, मैं हमेशा ही सतर्कता से खानपान का विकल्प चुनने की सलाह देती हूं।

दिनेश जोतवानी और टीम का प्रभावी तर्क सुप्रीम कोर्ट ने CBI को सौंपी वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी की पत्नी की संदिग्ध मौत की जांच

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट ने 6 सितंबर (शुक्रवार) को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को एक वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी की पत्नी की संदिग्ध मौत की जांच करने का निर्देश दिया। यह आदेश [मंदाकिनी दीवान एवं अन्य बनाम छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अन्य] मामले में पारित किया गया, जिसमें मृतक रंजना दीवान की मां और भाई ने निष्पक्ष जांच की मांग की थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की खंडपीठ ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों को सुनने के बाद फैसला सुनाया। मृतक की 2016 में मृत्यु हुई थी, जो उनकी शादी के लगभग दो साल बाद हुई। याचिकाकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ पुलिस पर पक्षपात और अनुचित प्रभाव डालने का आरोप लगाया, जिसके बाद उन्होंने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है, ताकि मृतका की मौत की सच्चाई सामने आ सके। अपीलकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता दिनेश जोतवानी, धवेश पाहुजा, भार्गव बैसोया, श्रुति सिंह, शिवालिका मिधा, नरेंद्र बहादुर तिवारी, नीलेश शर्मा और साकेत गोगिया उपस्थित हुए। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को जल्द से जल्द जांच पूरी करने और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि यदि सीबीआई को एफ्आईआर दर्ज करने की आवश्यकता महसूस होती है, तो वह ऐसा कर सकती है और मामले को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचा सकती है।

क्रेडोर समर्थित आईवैल्यू इंफोसॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

रायपुर। भारत में सबसे तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी सेवाओं और समाधान इंटीग्रेटर (फ्रॉस्ट एंड सुलिवन रिपोर्ट के अनुसार) में से एक आईवैल्यू इन्फोसॉल्यूशंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। बंगलुरु स्थित कंपनी का आईपीओ विक्रय शेयरधारकों द्वारा 2 रुपये प्रति अंकित मूल्य के 1,87,39,000 (1.87 करोड़) इक्विटी शेयरों की पूर्ण बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। प्रमोटर विक्रयकर्ता शेयरधारक सुनील कुमार पिल्लई, कृष्ण राज शर्मा और श्रीनिवासन श्रीराम मिलकर 22,42,197 (22 लाख) इक्विटी शेयर बेच रहे हैं; और निवेशक विक्रयकर्ता शेयरधारक सुंदरा (मॉरीशस) लिमिटेड, जो निजी इक्विटी फर्म क्रिएडोर की सहयोगी है, 1,11,37,051 (1.11 करोड़) इक्विटी शेयर बेचेगी। नौ व्यक्तिगत विक्रयकर्ता शेयरधारक 53,59,752 (53 लाख) इक्विटी शेयर बेचेंगे। आईवैल्यू इन्फोसॉल्यूशंस एक उद्यम प्रौद्योगिकी समाधान विशेषज्ञ है, जो डिजिटल अनुप्रयोगों और डाटा को सुरक्षित और प्रबंधित करने के लिए व्यापक, उद्देश्य-निर्मित समाधान प्रदान करता है। यह मुख्य रूप से सिस्टम इंटीग्रेटर्स और ओईएम के साथ काम करके बड़े उद्यमों को उनके डिजिटल परिवर्तन में सेवा प्रदान करता है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर जिला - सरगुजा (छ.ग.)

-:: संक्षिप्त ऑन लाईन निविदा आमंत्रण सूचना - 02 /2024-25 (प्रथम आमंत्रण) ::-

क्रमांक / 1329/ व.ले.लि. / ग्रायांसेवा / 2024 - 25 अम्बिकापुर, दिनांक 09.09.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑन लाईन (Online) निविदा दिनांक 24.09.2024 तक आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जनपद पंचायत	निविदा राशि (लाख में)
01	158333	ग्राम अजिरमा में गोड़वाना समाज का भवन निर्माण।	अम्बिकापुर	45.30
02	158334	नगर पंचायत सीतापुर में नि:शुल्क विधानसभा स्तरीय कोचिंग सेन्टर हेतु भवन निर्माण।	सीतापुर	19.98

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 09.09.2024 से देखी जा सकती है।

टीप :- मैन्युअल दस्तावेज की अंतिम तिथि 25.09.2024 सायं 5.30 तक कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर जिला सरगुजा अम्बिकापुर में पहुंचना अनिवार्य है ।

(अन्तानी तिर्की)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर

जी-242502388/2

संपादकीय

अराजकता जैसी स्थिति

बदलाव के सकारात्मक परिणाम की उम्मीदें गुजरे लगभग तीन हफ्तों में बिखर चुकी हैं। इस दौर में अराजकता जैसी स्थिति बनी रही है। इससे ये धारणा गहरी होती चली गई है कि फिलहाल किसी नई शुरुआत की संभावना नहीं है। बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के खिलाफ छात्र आंदोलन के सफल होने के बाद देश के जिन हलकों में उम्मीद का माहौल बना, वहां अब मायूसी घर कर रही है। बदलाव के सकारात्मक परिणाम होने की उम्मीदें गुजरे लगभग तीन हफ्तों में बिखर चुकी हैं। इस दौर में अराजकता जैसी स्थिति बनी रही है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्रतिशोध से प्रेरित हिंसा के जारी रहने से यही धारणा बनी है कि अत्याचार के निशाने भले बदल गए हों, लेकिन देश में फिलहाल किसी नई शुरुआत की उम्मीद नहीं है। इसी बीच कार्यवाहक सरकार ने जमात-ए-इस्लामी और उसके छात्र संगठन छात्र शिविर पर से प्रतिबंध हटा लेने का एलान किया है। सरकार के मुताबिक इन संगठनों के दहशतगर्दी में शामिल होने के कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं हुआ। इसी बीच एक दशक पहले एक धर्मनिरपेक्ष ब्लॉगर की हत्या के दोषी एक व्यक्ति को भी जेल से इस तर्क पर रिहा कर दिया गया है कि वह अपनी सजा भुगत चुका है। इन निर्णयों से उचित ही यह सवाल उठा है कि क्या बांग्लादेश के सत्ता तंत्र पर कट्टरपंथी इस्लामी तत्व हावी होते जा रहे हैं। उधर यह धारणा भी बनी है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बिना सत्ता में हुए सत्ताधारी दल जैसा व्यवहार कर रही है। इस बीच बांग्लादेश के स्वतंत्रता अभियान की धर्मनिरपेक्ष विरासत की वकालत करने वाली किसी शक्ति का अभाव नजर आया है। बंगबंधु शेख मुजीब से जुड़े ठिकानों और 1971 के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित स्मारकों को नष्ट करने की घटनाओं के साथ इस शून्यता को जोड़ कर देखा जाए, तो यह आशंका तार्किक नजर आती है कि बांग्लादेश ऐसी डगर पर चल चुका है, जिससे पीछा छुड़ाते हुए वह अस्तित्व में आया था। इस बीच सड़कों पर हिंसक टकराव जारी हैं। अब तक केंद्रीय सत्ता को सख्ती से लागू करने में सहयोग करने को लेकर सेना अनिच्छुक बनी हुई है। पांच अगस्त को भंग हुई पुलिस व्यवस्था अब तक प्रभावी ढंग से बहाल नहीं हो पाई है। इसका असर कारोबारी गतिविधियों पर पड़ा है। कुल मिलाकर देश विकट स्थिति में है।

राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति

श्रुति व्यास

करीब एक हफ्ते पहले, जर्मनी के पश्चिमी शहर जूलिंगन में एक स्थानीय उत्सव के दौरान कई लोगों को चाकूबाजी का शिकार बनाए जाने से देश में हंगामा मचा था। इस घटना में तीन लोग मारे गए। कथित अपराधी एक सीरियाई था जो जर्मनी में शरण लेना चाह रहा था। उसे कई महीने पहले जर्मनी से निर्वासित कर दिया जाना चाहिए था। अभियोजक इस घटना को इस्लामिक उग्रवाद से जोड़ रहे हैं। घटना के बाद से शरणार्थियों को देश से निकाल बाहर करने एवं शरण देने संबंधी कानूनों को कड़ा बनाने की मांग बड़े पैमाने पर उठने लगी। माहौल में आक्रोश था और परिवर्तन की चाहत भी।

उस उत्तेजनापूर्ण माहौल का लाभ उठाते हुए अति दक्षिणपंथी आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी ने एक नया नैरेटिव चलवाया। एएफडी के एक नेता बियोर्न होके ने हमले का एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया और सवाल पूछा, 卐जर्मनों, थिरुंजीयानों (जर्मनी के एक प्रांत थिरुन्जिया के निवासी) क्या आप ऐसे हालातों में जीने के आदी बनना चाहते हैं? या आप लादे गए बहुसंस्कृतिवाद के गलत रास्ते को छोड़ना चाहते हैं? पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए, और आम लोग इस नैरेटिव से जुड़ते चले गए।

इसका नतीजा यह हुआ की रविवार को एएफडी ने थिरुन्जिया और सेक्सिनी के महत्वपूर्ण राज्य-स्तरीय चुनावों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद हुए चुनावों में सबसे बड़ी थी। थिरुन्जिया, जहां पार्टी का नेतृत्व होके के हाथों में है, में पहली बार राज्य स्तरीय चुनावों में एएफडी सबसे शक्तिशाली पार्टी के रूप में उभरी है। दोनों राज्यों में उसे 30 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल हुए।

पूर्वी जर्मनी में अति दक्षिणपंथ के प्रबल होने से प्रेक्षक चिंतित हैं क्योंकि इससे जर्मनी और यूरोप में प्रवासी विरोधी, राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति एक बार फिर जोर पकड़ सकती है।

आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी, जो जर्मन भाषा में एएफडी नाम से जानी जाती है, एक राष्ट्रवादी पार्टी है जो 11 सालों से राजनीति में है। पार्टी का विदेशियों के प्रति द्वेष भाव सर्वज्ञात है। उसे छह साल पहले तब प्रसिद्धि हासिल हुई जब तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल ने मध्यपूर्व के युद्धग्रस्त देशों के दस लाख से अधिक निवासियों को जर्मनी में आने दिया और वहां बसने की अनुमति दी। अपनी नीतियों के चलते एएफडी को सरकारी निगरानी में रखा गया है क्योंकि यह जर्मनी के संविधान के लिए खतरा है। इसके बावजूद पार्टी ने इन चुनावों में सर्वाधिक सीटें हासिल कीं।

जूलिंगन में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद जनता में होके के अति-दक्षिणपंथी आप्रवासी-विरोधी विचारों की स्वीकार्यता बढ़ गई है ङ्क इस हद तक कि प्रमुख राजनैतिक दल भी एफएडी के नैरेटिव को खारिज करने के बजाए उसका समर्थन कर रहे हैं। चांसलर स्कोल्ज ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि अवैध प्रवासियों पर लगाम कसी जानी चाहिए।

शरण लेने के इच्छुक ऐसे लोगों, जिनके अनुरोध अस्वीकार कर दिए गए हैं, के तत्काल निर्वासन पर जोर दिया जा रहा है। डेश पीगर (जिसका अर्थ होता है आईना) को दिए गए एक साक्षात्कार में स्कोल्ज ने कहा हमें यह तय करने का अधिकार है कि हम किसे आने दें और किसे नहीं। एक अन्य साक्षात्कार के दौरान जब स्कोल्ज से अरब पृष्ठभूमि के लोगों के इजराइल के प्रति नफरत और यहूदी-विरोधी रवैये के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था हमें बहुत बड़े पैमाने पर निर्वासन की कार्यवाही करनी चाहिए। एएफडी के अलावा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने में जुटी एक और पार्टी भी मैदान में है जिसने अपने गठन के केवल आठ महीने बाद चुनावों में अच्छी-खासी कामयाबी हासिल की। सारा वागनकनेख एलाइंस (बीएसडब्लू) एक 'वाम-रूढ़िवादी' पार्टी है जिसे जनवरी में वागनकनेख नाम की पूर्वी जर्मनी की एक पूर्व कम्युनिस्ट द्वारा स्थापित किया गया था, जिसने अन्य वाम दलों से नात तोड़ लिया था। यह एक अति-वामपंथी दल है और इसने चुनावों में दोनों राज्यों में तीसरा स्थान हासिल किया। एएफडी की तरह बीएसडब्लू भी जर्मनी में कड़ी आप्रवासन नीति की पक्षधर है और यूक्रेन का साथ देने का विरोध करती है और यूक्रेन-रूस विवाद का हल युद्ध के जरिए नहीं बल्कि कूटनीति के माध्यम से हो, यह चाहती है। बीएसडब्लू का मजबूत प्रदर्शन जर्मनी के सोशल डेमोक्रेट्स के लिए बुरी खबर है। चांसलर ओलाफ स्कोल्ज भी इसी पार्टी में हैं और इस बात का खतरा है कि पार्टी के और बहुत से वामपंथी मतदाता उससे दूर हो जाएं। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने में जुटी इन पार्टियों का मजबूत प्रदर्शन केन्द्रीय सरकार के लिए एक बड़ा झटका है। राष्ट्रीय सरकार में शामिल तीनों दलों ङ्क सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, ग्रीन पार्टी और लिब्रेटेरियन फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी ङ्क को इन राज्यस्तरीय चुनावों में काफी नुकसान झेलना पड़ा है। इससे यह साफ हो गया है कि ये पार्टियां और उनके नेता न केवल पूर्व पूर्वी जर्मनी में अलोकप्रिय हो गए हैं बल्कि कमोबेश पूरे देश में यही स्थिति है।

मुफ्त की संस्कृति से पंजाब-हिमाचल की बढ़ी आर्थिक मुश्किलें

ललित गर्ग

दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सम्मुख वित्तीय संकट के धुंधलके छाने लगे हैं। सत्ता पर बैठी आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की सरकारों के सामने चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए की गयी फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर की घोषणा आर्थिक संकट का बड़ा कारण बन रही है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर 'रेवड़ी कल्चर' पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुक्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जता चुके हैं। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं है।

कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे पंजाब राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते एवं मुक्त की सुविधाएं देने से बाज नहीं आते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं दिया जा सका है। इसके बावजूद सत्ता पर काबिज नेता मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखे हुए हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ रही है बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली, आर्थिक असंतुलन एवं आर्थिक अनुशासनहीनता की तस्वीर ही उकेरता है। दिल्ली से लेकर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारें हों या हिमाचल प्रदेश से लेकर अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकारें तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांट कर भले ही वोट बैंक को अपने पक्ष में करने का स्वार्थी खेल खेला जा रहा हो, लेकिन इससे वित्तीय बजट लडखड़ाने ने इन राज्यों के लिये गंभीर चुनौती बन रहा हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसका आर्थिक संतुलन कभी नहीं संभल पाता। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। ये और ऐसी ही अन्य मुफ्त सुविधाओं की भरमार के कारण सरकारों के सामने अपने कर्मियों को समय पर वेतन देने के लिये वित्तीय संकट है, जबकि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई आदि समय पर चुकाने में दिक्कत हो रही है। इन जटिल होते हालातों को देखते हुए अपेक्षा है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति एवं मुफ्त की संस्कृति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। जब भी ऐसी लोक-लुभावन घोषणाएं की जाती हैं तो उन दलों को अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। जनता को गुमराह करते हुए, उन्हें ठगते हुए देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है-अक्सर करों अथवा उपकरों के रूप में। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मुफ्त रेवड़ियां देने के मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि कई राज्यों ने अपनी वित्तीय स्थिति की अनदेखी करते हुए मुफ्त की सुविधाएं देने का वादा कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। पंजाब में महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा हुई, जबकि वहां की महिलाएं समृद्ध है। दिल्ली में उन महिलाओं को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल 15 करोड़ रुपये तक का नुकसान होगा। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। मुफ्तखोरी की राजनीति से देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का खतरा है। और इसके साथ निष्क्रियता एवं अकर्मण्यता को बल मिलेगा। हिंदुस्तान में लोगों को बहुत कम में जीवन निर्वहन करने की आदत है ऐसे में जब मुफ्त राशन, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा मिलेगा तो काम क्यों करेंगे।

'गरीब की थाली में पुलाव आ गया है, लगता है शहर में चुनाव आ गया है' भारत की राजनीति से जुड़ी विसंगतियों एवं विडम्बनाओं पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं। चुनाव आते ही वोटरों को लुभाने के लिए जिस तरह राजनीतिक दल और उनके नेता वायदों की बरसात करते हैं, यह शासन-व्यवस्थाओं को गहन अंधेरों में धकेल देता है। मुफ्त की संस्कृति को कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकी जाती रही है। भारत जैसे विकासशील देश के लिये यह मुक्त संस्कृति एक अभिशाप बनती जा रही है। सच भी है कि मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग आज भी इस स्थिति में है कि कथित तौर पर मुफ्त या सस्ती चीजें उसके वोट के फैसले को प्रभावित करती हैं। मुफ्त 'रेवड़ी' व कल्याणकारी योजनाओं में संतुलन कायम करना आवश्यक है, परंतु वोट खिसकने के डर से राजनीतिक दल इस बारे में मौन धारण किये रहते हैं, बल्कि न चाहते हुए भी इसे प्रोत्साहन भी देते हैं। फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने एवं राजनीतिक धरातल मजबूत करने का हथियार हैं। मुफ्त उपहार के मामले में कोई भी देश पीछे नहीं है। ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क, स्वीडन, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, मलेशिया, कनाडा, अंगोला, कीनिया, कांगो, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देश इस दौड़ में शामिल हैं। विकसित देश जहां अपनी जीडीपी का 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक लोककल्याण योजनाओं में खर्च करते हैं, तो विकासशील देश जीडीपी का 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक फ्रीबीज के नाम पर खर्च कर देते हैं। भारत में अब जब न्यायालय की चौखट पर यह मुद्दा विचाराधीन है, तो संभावना है कि सरकार पर अनावश्यक आर्थिक भार डालने वाली घोषणाओं पर नियंत्रण को लेकर कोई राह भारत ही दुनिया को दिखाए।

तानाशाही की झलक

ओमप्रकाश मेहता

भारत की आजादी के बाद से अब तक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कई विवादस्पद दौरों से गुजरा है, जिसके तहत् इस संगठन को प्रतिबंधात्मक दायरे से भी गुजरना पड़ा है। खैर, वह सब कांग्रेसी शासन कालों के दौरान हुआ, किंतु आज जबकि पिछले एक दशक से केन्द्र में संघ समर्थक भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, तो संघ का दबी जुबान आरोप है कि संघ को सताने की स्पर्द्धा में मोदी सरकार ने कांग्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है और इस त्रासदी का मुख्य आधार प्रधानमंत्री व उनकी अपनी टोली द्वारा संघ की उपेक्षा है, अपनी इस त्रासदी का जिक्र करने के लिए केरल में संघ ने अपनी तीन दिवसीय समन्वय बैठक बुलाई जिसमें सभी उपस्थिततों को संघ प्रमुख की बातों पर गौर कर निर्णय लेने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन भाजपा संगठन के प्रमुख जगत प्रकाश नड्डा ने अचानक वहां पहुंच कर, ''मीडिया मैनेंज'' कर अपनी आवाज को बुलंदगी के साथ पेश किया और बेचारे संघ प्रमुख की आवाज के साथ उनके प्रयासों पर पानी फैर दिया।

संघ की पिछले कुछ दिनों की भूमिका को देखकर प्रधानमंत्री व उनके सहयोगी सतर्क हो गए थे और उन्होंने इसी रणनीति के तहत् भाजपाध्यक्ष को संघ की केरल बैठक में भेजकर यह सब किया। वर्ना संघ के इस सम्मेलन के पहले दिन जो संघ प्रमुख ने तेवर दिखाए थे, वे ही तेवर यदि तीनों दिन पूरे सम्मेलन में जारी रहते तो वह भाजपा सत्ता व संगठन के लिए ठीक संकेत नही होते, इसीलिए मीडिया को मैनेज कर भाजपा प्रमुख की बात को जोर-शोर से उठाया गया और संघ प्रमुख की बातों को दबा दिया गया। देश में अब तक कायम हुई भाजपा या पूर्व जनता पार्टी की सरकारों में यह पहली बार हो रहा है, जब संघ अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहा है, इससे पूर्व अटल जी के प्रधानमं.त्रित्व काल में भी अटल-अड़वानी ने संघ को प्रमुख माना था तथा ये नेता समय-समय पर संघ पदाधिकारियों से सलाह-मशवरा करते रहते थे, किंतु अब संघ को शायद भाजपा सरकार के चलते पहली बार उपेक्षा के दौर से गुजरना पड़ रहा है। इसीलिए अब वह जमाना लद गया, जब सत्ता प्रमुख संगठन प्रमुख से मिलने या मशवरे के लिए जाया करता था, आज तो स्थिति यह है कि संघ प्रमुख प्रधानमंत्री से भेंट का समय मांगते है और वह भी कई दिनों तक नही मिल पाता, इसीलिए अब संघ ने भी दबी जुबान मोदी व उनकी सरकार पर सख्त टिप्पणियां शुरू कर दी है।

संघ ही नही अब तो भाजपा के वरिष्ठ नेता भी दबी जुबान यह कहने में कोताही नही बरतते कि मोदी जी अब बहुत बदल गए है, अब वे 2014 वाले मोदी जी नही रहे और इसी मसले को लेकर अच्छी-खासी चर्चा है, जो मोदी जी के चौथे कार्यकाल के लिए शुभ नही मानी जा रही, संघ-भाजपा तथा उसके संगी-साथी मोदी जी के उन तैवरों को ''तानाशाही की झलक'' बता रहे है, यह स्थिति भाजपा में सिर्फ केन्द्र तक ही सीमित नही है, बल्कि भाजपा शासित राज्यों के सत्ता संगठनों में भी इसकी झलक देखने को मिल रही है। इस स्थिति को लेकर भाजपा के हितचिंतकों व सहयोगियों में भी अच्छी खासी चिंता है व इस स्थिति में भविष्य को लेकर बैचेनी है।

इस प्रकार भाजपाध्यक्ष ने संघ के केरल सम्मेलन में पहुंच कर चाहे संघ का गुस्सा शांत करने का प्रयास किया हो, किंतु अब जब यह गुस्सा देश के जिलों व तहसील स्तर तक पहुंचने की तैयारी कर रहा है, तब नड्डा जी कहां-कहां अपनी सफाई पेश करने जायेगें?

महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होगे

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरुआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है। महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरुआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ित हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफ्सोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है। एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर कब तक सभी वंचनाओं, महामारियों एवं राष्ट्र-संकटों की गाज स्त्रियों पर गिरती रहेगी। जहां देश में प्रधानमंत्री के पद पर इंदिरा गांधी और वर्तमान में राष्ट्रपति के पद पर द्रोपदी मुर्मू हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी राज्य की बागडोर संभाल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष भी एक महिला मायावती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को तो विश्व की ताकतवर महिलाओं में शुमार किया ही जा चुका है। पूर्व में लोकसभा में विपक्ष की नेता के पद पर सुषमा स्वराज और लोकसभा अध्यक्ष के पद पर मीरा कुमार ने भी महिला के गौरव को बढ़ाया हैं। कॉरपोरेट सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर जैसे क्षेत्रों में इंदिरा नूई और चंदा कोचर जैसी महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। वर्तमान में निर्मला सीतारमण सहित अनेक महिलाओं ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ रही है। हमारी सेना में महिलाओं की यथोचित भागीदारी उसे ज्यादा शालीन, सामाजिक, योग्य और कारगर ही बनाएगी। युगों से आत्मविस्मृत महिलाओं को अपनी अस्मिता और कर्तृत्वशक्ति का तो अहसास हुआ ही है, साथ ही उसकी व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व चेतना में क्रांति का ऐसा ज्वालामुखी फूटा है, जिससे भेदभाव, असमानता, रूढ़संस्कार जैसे उन्हें कमतर समझने की मानसिकता पर प्रहार हुआ है। पुरुषवर्ग महिलाओं को देह रूप में स्वीकार करता है, किन्तु आधुनिक महिलाओं ने अपनी विविधआयामी प्रतिभा एवं कौशल के बल पर उनके सामने मस्तिष्क एवं शक्ति बनकर अपनी क्षमताओं का परिचय दिया है, वही अपने प्रति होने वाले भेदभाव का जबाव सरकार, समाज एवं पुरुषों को देने में सक्षम है, महिला समानता दिवस यदि उनकी सक्षमता को पंख दे रहा है तो यह जागरूक एवं समानतामूलक विश्व-समाज की संरचना का अभ्युदय है।

जाति प्रमाण पत्र के मामले में जिसकी भी लापरवाही होगी उसे इस माह वेतन नहीं मिलेगा - एसडीएम अमित बेक

जाति प्रमाण पत्र बनवाने का काम हर हाल में सितंबर माह में पूरा करें - एसडीएम अमित बेक

■ जाति प्रमाणपत्र की प्रगति के संबंध में प्राचार्य एवं प्रधान पाठकों आयोजित ली गई

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जीपीएम जिले की कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी के मार्गदर्शन में अनूसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के स्कूली छात्र छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रगति के संबंध में एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना सभाकक्ष में गौरेला ब्लॉक के हाईस्कूल, हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य एवं मिडिल स्कूल के प्रधान पाठकों की आयोजित की गई समीक्षा बैठक में पेण्ड्रारोड के एसडीएम अमित बेक ने कहा कि आप सभी से अपेक्षा है कि काम ऐसा करें कि ना हमारी समीक्षा हो और ना आपकी समीक्षा हो।

एसडीम ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ सभी छात्र-छात्राओं का इस माह के अंदर जाति प्रमाण पत्र बनाने का काम निश्चित तौर पर पूरा कर लें। उन्होंने बताया कि कलेक्टर का निर्देश है कि जाति प्रमाण पत्र के मामले में जिसकी भी लापरवाही होगी उसे इस माह वेतन नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन के द्वारा जाति प्रमाण पत्र बनाने में पूर्ण सहयोग किया जा रहा है। समय-समय पर हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर और भी शिविर लगाए जाएंगे, लेकिन जाति प्रमाण पत्र का काम इस माह हर हाल में पूरा होना चाहिए।

एसडीम अमित बेक ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र के लिए 1950 से पहले का दस्तावेज और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 1984 से पहले का दस्तावेज संलग्न करना है। यदि जिनके पास यह दस्तावेज नहीं है, तो शासन ने उनका जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए सरलीकरण अधिनियम बनाया है, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र के लोग ग्रामसभा का प्रस्ताव और नगरीय क्षेत्र के लोग नगर पालिका की परिषद के बैठक का प्रस्ताव लगाकर जाति प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। उन्होंने सभी संस्था प्रमुखों से कहा कि इस कार्य को जितना जल्दी पूरा करेंगे, उतना ज्यादा शालेय गतिविधि में ध्यान दे पाएंगे। एसडीम ने कहा कि सभी जाति प्रमाण पत्र का लक्ष्य पूर्ण करें जिससे कि किसी के ऊपर कार्यवाही करने की जरूरत नहीं पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि जिस छात्र-छात्रा के परिवार रिश्तेदार में भाई-बहन, चाचा, ताऊ या उनके बच्चों का जाति प्रमाण पत्र पहले बन चुका है, उसकी छायाप्रति आवेदन के साथ लगाने से जाति प्रमाण पत्र बन जाएगा।

वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि जो बच्चे हॉस्टल में पढ़ रहे हैं, उनके लिए हॉस्टल अधीक्षक से सामंजस्य बनाकर काम लिया जाए और सभी बच्चों के अभिभावक से भी सहयोग लिया जाए, जिससे की जाति प्रमाण पत्र का काम हर हाल में सितंबर माह में पूरा हो जाए।

बैठक में जीपीएम जिले के डीईओ जेके शास्त्री ने कहा कि जितनी योजनाएं शासन की लागू हैं, उन सभी का लाभ हर हाल में छात्र छात्राओं को दिलाने की जवाबदारी संस्था प्रमुखों की है। इसलिए संस्था प्रमुख छात्रों को शासन की सभी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तत्पर होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि यदि समस्या गिनाएंगे तो बहुत समस्याएं हैं, परंतु हमें समस्या के समाधान की दिशा में काम करके लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि जाति प्रमाण पत्र बनाने के मामले में राजस्व विभाग से पूरा सहयोग मिल रहा है। गौरेला ब्लॉक आकांक्षी ब्लॉक है, यहां जन मन योजना भी लागू है। इस ब्लॉक का पूरे राज्य में बहुत अधिक महत्व है। इसलिए सभी संस्था प्रमुख अपनी जिम्मेदारी का अच्छी तरह से निर्वहन करें। उक्त बैठक में पेण्ड्रारोड के एसडीएम अमित बेक, डीईओ जेके शास्त्री, पेण्ड्रारोड के तहसीलदार अविनाश कुजूर, गौरेला के बीईओ डॉ. संजीव शुक्ला, कार्यालय सहायक मेवा सिंह राठौर, जाति प्रमाण पत्र के नोडल अधिकारी सत्यनारायण जायसवाल एवं समस्त प्राचार्य व प्रधान पाठक उपस्थित थे।

अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने पर 5 ग्राम पंचायतों के सरपंच निलंबित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने के कारण छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम के तहत मरवाही जनपद के 5 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को निलंबित कर दिया गया है। इन ग्राम पंचायतों में बदरौडी, सिवनी, पोड़ी, मालाडांड़ एवं ग्राम पंचायत दमोहली शामिल है। अलग-अलग जारी निलंबन आदेश है।

अच्छी शिक्षा से जीवन का अंधकार होता है दूर : अध्यक्ष शिव वर्मा

लवन(संवाददाता)। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के नगर पंचायत लवन से 5 किलोमीटर की दूरी पर बसा ग्राम पंचायत डोंगरा स्थित शासकीय विद्यालयों में शिक्षक दिवस बड़े ही उत्साह भाव से विद्यार्थियों के द्वारा मनाए गए।विद्यार्थियों ने अपने शिक्षक शिक्षिकाओं का श्रीफल पेन से सम्मान देकर उज्वल भविष्य की आशीर्वाद प्राप्त किये।इस अवसर पर हाई स्कूल के अध्यक्ष ,उपसरपंच व युवा भाजपा नेता शिव वर्मा भी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। उन्होंने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को अपने स्वेच्छा से सार्थक पहल का परिचय देते हुए मेमेंटो से सम्मानित करते हुए शिक्षक शिक्षिकाओं को बच्चों को अच्छी तालीम देने के लिए अनुग्रह किये गए।अपने सम्बोधन में अध्यक्ष शिव वर्मा ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव है।अच्छी शिक्षा से जीवन का अधंकार होता है दूर।शिक्षक दिवस सभी छात्र छात्राओं के लिए एक ऐसा दिन होता है जहाँ सभी छात्र छात्राओं के चेहरे में शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को सम्मान करने की उत्सुकता बनी रहती है। वर्मा ने आगे यह भी कहा कि शिक्षक कुम्हार की भाँति होता है जो कच्ची मिट्टी को सांचे में जैसा ढालता है वैसे ही घड़े का निर्माण होते जाता है।शिक्षक को को राष्ट्र निर्माण कर्ता की उपाधि भी प्राप्त है।जिसके चलते लाखों करोड़ों छात्र छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने में मिल का पत्थर साबित होता है। इस अवसर पर मिडिल स्कूल प्रधान पाठक मनमोहन पटेल, गीता राम बंजारे, दादू राम साहू, प्राथमिक विद्यालय से प्रधान पाठक व संकुल समन्वयक भूपेंद्र पटेल, बिरजू कुर्रे, विकास साहू, द्वारिका पैकरा, कविता टंडन, बांधे सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति रहा।

शिक्षक मोमबत्ती की तरह होता है जो स्वयं जलकर दूसरों को देता है प्रकाश : राकेश रोशन साहू

लवन(संवाददाता)। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के तहसील लवन से करीब7 किलोमीटर की दूरी पर बसा ग्राम पंचायत सरखोर हैं,,, जंहा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व माँ सरस्वती शिशु मंदिर संचालित है।दोनों ही विद्यालयो में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर विद्यालयीन छात्र छात्राओं ने शिक्षक शिक्षिकाओ को सम्मानित करने के शिक्षक दिवस समारोह का भव्य आयोजन किये गए थे।छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति भी किये इसके अलावा छात्र छात्राओं ने शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए अलग अलग प्रकार खेल का आयोजन भी किये गए।सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को छात्र छात्राओं ने उपहार में श्रीफल, पेन एवं आकर्षक उपहार देकर सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किये।इस अवसर पर छात्र छात्राएं सहित शिक्षक शिक्षिकाओ की उपस्थिति रहा।वहां विशेष अतिथि के रूप में गोलू कैवर्त जिला संगठन प्रभारी श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ बलौदाबाजार भी उपस्थित रहे। छात्र छात्राओं ने पत्रकार का भी सम्मानित किये। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य किशोर साहू व माँ सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय सरखोर के प्रधानाचार्य राकेश रोशन ने कहा कि शिक्षक मोमबत्ती की दीपक की तरह होता है जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों सहित दूसरों को प्रकाश देता है। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्रभारी प्राचार्य किशोर साहू, योगेंद्र सोनवानी, मातादीन साहू सहित समस्त स्टाफ वहीं माँ सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में टीचर-प्राचार्य अंतराम साहू, संचालक एवं प्रधानाचार्य राकेश रोशन साहू ,सहायक प्रधानाचार्य धनंजय साहू ।

तपस्या आत्म साधना का साधन है : विशुद्ध सागर

तपस्वियो को देखकर हमे भी तपस्या के लिए प्रेरिता होना चाहिए

धमतरी(संवाददाता)। अक्ष्यनिधि तप, समवशरण तप, विजय कषाय तप एवं मोक्ष तप के तपस्वियों का बहुमान श्रीसंघ की ओर से किया गया। ईस अवसर पर परम पूज्य विशुद्ध सागर जी म सा ने कहा की तपस्या आत्म साधना का साधन है। तप दो प्रकार के होते है बाह्य तप और अंतर तप। बाह्य तप में तपस्या किया जाता है आर्तरिक तप के अंतर्गत आत्म साधना आता है। इन तपो के माध्यम से हमे अपने जीवन का अपनी आत्मा का विकास करना है। तपस्या में हमे खाने का मोह त्याग देना चाहिए और उससे जो समय शेष बचता है उसे परमात्मा में लगाने का प्रयास करना चाहिए। आज ऐसे तपस्वियों का बहुमान किया जा रहा है। इनको देखकर हमे भी तपस्या के लिए प्रेरित होना है। वरघोड़ा में इन सभी तपस्वी अपने कलश को साथ लेकर चले। सन्मति गोलछा सुपुत्र पूनमचंद गोलछा के आज 26 उपवास है। आगे 30 उपवास अर्थात मासखमन की भावना है। वरघोड़ा में भंवरलाल छाजेड़, विजय गोलछा,संजय लोढ़ा, जीवन लोढ़ा,मोहन गोलछा, पारसमल गोलछा, लक्ष्मीलाल लूनिया, प्रकाश पारख, विनय पारख, अशोक पारख, लूणकरण गोलछा, शिशिर सेठिया, राहुल सेठिया, विनीत पारख, आकाश गोलछा, प्रतीक बैद, कुशल चोपड़ा, प्रवीण संकलेचा, श्याम डागा, राहुल पारख,अंकित बरडिया, मनीष बरडिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर, भगा ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को थाना कसडोल पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

लवन(संवाददाता)। थाना कसडोल में आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि इसकी नाबालिक पुत्री10.07.2024 को घर में किसी को बिना बताए कहीं चली गई है। आसपास पता तलाश करने पर नहीं मिल रही है। कि रिपोर्ट पर थाना कसडोल में गुम इंसान क्र. 36/2024 तथा अपराध क्र. 273/2024 धारा 137(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना कसडोल पुलिस टीम द्वारा रिपोर्ट दर्ज होते ही गुम इंसान पतासाजी की कार्यवाही करते हुए बालिका को सकुशल बरामद किया गया। बालिका से पूछताछ करने पर आरोपी योगेश कुमार उम्र 23 साल निवासी ग्राम बगबुडा थाना लवन द्वारा नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाकर, उसके सांथ घटना दिनांक से लगातार दुष्कर्म करना पाया गया। नाबालिक बालिका के कथन के आधार पर प्रकरण में धारा 87,64 बीएनएस एवं 04,06 पाक्सो एक्ट जोड़ी गई है। पुलिस द्वारा आरोपी योगेश कुमार को आज दिनांक 09.09.2024 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

पूर्व संगठन महामंत्री रामप्रताप सिंह और पूर्व महामंत्री कृष्ण कुमार ने बूथ पर पहुँच कर बनाएं सैंकड़ों सदस्य

■ कहा - भाजपा सदस्यता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता में लेकर कार्य करें कार्यकर्ता

जशपुरनगर(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी अपने सदस्यता अभियान को लेकर बेहद गंभीरता से कार्य कर रही है। पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री रामप्रताप सिंह एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री भाजपा कृष्ण कुमार राय ने रविवार एवं सोमवार को जशपुर विधानसभा के सन्ना मण्डल के महुआ बूथ एवं जशपुर शहर के भगलपुर और बरटोली बूथ में पहुँच कर स्थानीय निवासियों से भेंट कर किया सदस्यता अभियान की शुरुवात। पूर्व प्रदेश महामंत्री संगठन रामप्रताप सिंह जशपुर शहर एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय ने सन्ना मण्डल मे बनाये सैंकड़ों सदस्य। कृष्ण कुमार राय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र के निर्माण के लिये कार्य करती है। देश के वैभव को शिखर तक पहुंचाने अधिक से अधिक लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भाजपा सदस्यता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता में लेकर निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने कहा। राय ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को पचास सदस्य बनाने है और एक-एक बूथ में दो सौ सदस्य बनाना है। हर कार्यकर्ता, पदाधिकारी, निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को बूथ स्तर तक पहुँच कर सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाना है। पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री रामप्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता लोगों के बीच जायें, घर-घर पहुँच कर संवाद स्थापित करें और भाजपा की ज्यादा से ज्यादा सदस्यता ग्रहण करवायें। भाजपा का बल कार्यकर्ता हैं और संगठन को मजबूती देने नये सदस्य बनाने कर्मठता से पूरी शक्ति लगायें। सिंह ने बूथ स्तर पर निवासरत लोगों से सदस्य बनने आग्रह किया और राष्ट्र की सतत सेवा में भाजपा से जुड़ कर आगे आने कहा। उक्त जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी फैजान सरवर खान ने बताया कि बूथ स्तर सदस्यता कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री मुकेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शंकर गुप्ता, जशपुर मण्डल अध्यक्ष संतोष सिंह।

डायलिसिस के मरीज ने सीएम साय से मांगी मदद, धरमजयगढ़ में डायलिसिस की सुविधा नहीं, जशपुर जनपद में पदस्थापना की मांग

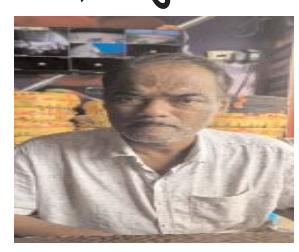

जशपुरनगर(संवाददाता)। कीडनी रोग से ग्रसित एक मरीज ने सीएम साय से मदद की गुहार लगाई है। मरीज महमूद खान पिता अहमद खान पीपरमारा धर्मजयगढ़ निवासी ने कैम्प कार्यालय में जाकर गुहार लगाते हुए कहा, वर्तमान में मैं जनपद पंचायत धर्मजयगढ़ तह0-धर्मजयगढ़, जिला रायगढ़ (छ0ग0) में वाहन चालक के पद पर पदस्थ हूँ। वर्तमान में में किडनी संबंधी बिमारी से ग्रसित हूँ तथा मेरा सप्ताह में 03 दिन डायलिसिस किया जाना आवश्यक है। धर्मजयगढ़ में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध नहीं है, तथा वर्तमान में मेरे द्वारा जशपुर जिला अस्पताल में डायलिसिस करायी जा रही है, जिसके कारण मुझे धरमजयगढ़ से जशपुर आने-जाने में अत्यधिक परेशानी एवं खर्च का सामना करना पड़ रहा है। जशपुर में उसके ससुराल वालों की ओर से इलाज में सहयोग किया जाता है और देखरेख किया जाता है।

जशपुर पदस्थापना की गुहार -मरीज ने कहा, मेरा स्थानांतरण जनपद पंचायत धर्मजयगढ़ से जनपद पंचायत जशपुर ताह0 एवं जिला-जशपुर कर दिया जाता है तो मेरा नियमित रूप से डायलिसिस हो सकेगा, इस कारण मैं अपना स्थानांतरण जनपद पंचायत धर्मजयगढ़ से जनपद पंचायत जशपुर 4020 अपने सर्वे पर कराना चाहता है। बिमारी को देखते हुए मेरा स्थानांतरण जनपद पंचायत धर्मजयगढ़, से जनपद पंचायत जशपुर की गुहार लगाई है।

राधा कृष्ण के रूप में श्री गणेश जी की मूर्ति प्रमुख आकर्षण का केंद्र

धमतरी। ग्राम परसूली खरेंगा में नव युवा गणेश उत्सव समिति के पंडाल में इस बार नवीन आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। क्षेत्र के लोगो में देखने का उत्साह बना हुआ है । युवा मूर्तिकार थनेश चक्रधारी चक्रधारी ग्राम दर्री के 20 दिन के कड़ी मेहनत का रंग आज इस क्षेत्र के सभी घरों, पंडलो में श्री गणेश जी की मूर्ति स्थापना हुई हैं।घरों में विराजमान के लिए 200 मूर्ति एवम बड़े गणेश उत्सव के लिए लगभग 10 बड़े मूर्तियों का निर्माण मूर्तिकार थनेश चक्रधारी ने किया हैं जो क्षेत्र के साथ साथ सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम,वॉट्सएप में चर्चा का विषय बना हुआ है । महज 25 वर्ष युवा कलाकार थनेश ने कला के क्षेत्र में नया आयाम पेश किया है।

मोदी की गारंटी पूरी नहीं होने से नाराज छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने निकाली मशाल रैली

■ फेडरेशन के बैनर तले अधिकारी कर्मचारियों ने किया जंगीप्रदर्शन

■ मशाल रैली के बाद भी यदि मांगे पूरी नहीं हुई तो 27 सितंबर से होगा अनिश्चितकालीन आंदोलन

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मोदी की गारंटी पूरी नहीं होने से नाराज अधिकारी कर्मचारियों ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन गौरेला पेंड्रा मरवाही के तत्वाधान में 11 सितंबर की शाम मसाल रैली निकाल कर छत्तीसगढ़ सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। फेडरेशन ने जंगी प्रदर्शन करते हुए गौरेला के ज्योतिपुर तिराहा से लेक एसडीएम कार्यालय गौरेला तक जमकर नारेबाजी करते हुए मशाल रैली निकाली । मसाल रैली के बाद छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव सहाय के नाम एक ज्ञापन एसडीएम पेंड्रा रोड को सौंपा तथा मोदी की गारंटी पूरी करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि बीते विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के जिला अधिकारी कर्मचारियों ने भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देकर उन्हें सरकार में बैठाया था वही अधिकारी कर्मचारी अब अपनी मांगे पूरी नहीं होने के कारण आंदोलन का शंखनाद कर चुके हैं । आंदोलन के प्रथम चरण में बीते 6 अगस्त को छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने राजधानी रायपुर में मशाल रैली के माध्यम से सरकार को सचेत किया था परंतु उसके बावजूद छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी की गारंटी पूरा करने कोई पहल नहीं की। इस आंदोलन के द्वितीय चरण में आज 11 सितंबर की शाम छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन गौरेला पेंड्रा मरवाही ने जिला मुख्यालय में मशाल रैली का आयोजन कर जंगली प्रदर्शन किया। बड़ी मात्रा में अधिकारी कर्मचारियों के मुख्य मार्ग में मसाल रैली निकाले जाने से जाम की स्थिति भी बन गई। फेडरेशन के मशाल रैली को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे तथा पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

मशाल रैली के बाद रैली में आए अधिकारी कर्मचारियों को फेडरेशन के संयोजक डॉक्टर संजय शर्मा महासचिव विश्वास गोवर्धन आकाश राय इत्यादि में संबोधित करते हुए कहा कि यह मसाल रैली सरकार को चेतन का अंतिम मौका है अगर इसके बावजूद भी यदि भाजपा की छत्तीसगढ़ सरकार मोदी की गारंटी पूरी नहीं करती तो आगामी 27 सितंबर से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ के सभी अधिकारी कर्मचारी सामूहिक हड़ताल पर जा सकते हैं। फेडरेशन के नेताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मोदी की गारंटी के तहत कर्मचारियों अधिकारियों से चुनाव के समय किए गए वादों को पूरा कर दे ताकि छत्तीसगढ़ की आम जनता को कोई परेशानी ना हो।उन्होंने बताया कि भाजपा घोषणा पत्र अनुसार प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान 1 जनवरी 24 से महंगाई भत्ता में 4 त्न वृद्धि कर साथ 50 त्न डी ए स्वीकृत करने; प्रदेश के कर्मचारियों को जुलाई 2019 से देय तिथि पर महंगाई भत्तों के एरियर्स राशि का समायोजन जीपीएफ खाते में जमा किये जाने;भाजपा घोषणा पत्र अनुसार प्रदेश के शासकीय सेवकों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान दिये जाने;केन्द्र के समान गृह भाड़ा भत्ता;भाजपा घोषणा पत्र अनुसार मध्यप्रदेश सरकार की भांति प्रदेश के शासकीय सेवकों को अर्जित अवकाश नगदीकरण 240 दिन के स्थान पर 300 दिन देने के मुद्दा शामिल है।

11 सितंबर को आयोजित मशाल रैली को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के सभी घातक 112 संगठन के कर्मचारी नेता तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी अधिकारी शामिल थे जिसमें स्वास्थ्य विभाग शिक्षा विभाग के कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल थे।

एंटी एजिंग है शहतूत

बनाए रखे लंबे समय तक जवां

सुंदरता और स्वास्थ्य की दृष्टि से शहतूत (mulberry) को एंटी एजिंग माना जाता है, क्योंकि शहतूत में एंटी एज यानी उम्र को रोकने वाला एक विशेष प्रकार का गुण होता है। यह जहां त्वचा में ताजगी भर देता है वहीं चेहरे से झुर्रियों को भी गायब कर देता है। इतना ही नहीं इसे वेट लॉस यानी बढ़ते वजन को कम करने में भी मददगार माना जाता है।

शहतूत में रेजवर्टेरोल पाया जाता है जिसमें स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाने वाला गुण पाया जाता है। शोधकर्ताओं ने शहतूत में कई ऐसे लाभदायक गुणों को खोजा है जो कई बीमारियों में वरदान साबित हो सकते हैं। शहतूत में पाया जाने वाले रेजवर्टेरोल का उपयोग खास तौर पर रेड वाइन में किया जाता है। रेजवर्टेरोल शरीर में फैले प्रदूषण को साफ करके संक्रमित चीजों को बाहर निकालने का कार्य भी करता है।

शहतूत में दूसरे लाभदायक फलों की तुलना में 79 प्रतिशत ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। शहतूत में पोटैशियम, विटामिन ए और फॉस्फोरस होता है। शहतूत बालों में सुंदरता तथा चेहरे को खूबसूरत बनाता है।

इसके अलावा भी शहतूत में कई अन्य गुण पाए जाते हैं, जैसे आंखों की गड़बड़ी ठीक करना, लंग कैंसर, कोलोन और प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को कम करता है। यह रक्त में मौजूद शर्करा पर नियंत्रण, तनाव दूर करने तथा शरीर में बनने वाले रक्त के थक्के को रोक कर निर्बाध रूप से रक्तसंचार सभी अंगों तक पहुंचाता है।

शहतूत का फल खाने में जितना स्वादिष्ट होता है उतना ही सेहतमंद होता है। शहतूत के जूस में संतरे से दोगुना एंटीऑक्सीडेंट होता है। शहतूत खाने से पाचन शक्ति अच्छी रहती है। यह सर्दी, जुकाम, यूरिन आदि कई रोगों में भी बेहद फायदेमंद है।

शहतूत में भूख कम करने या दबाने की शक्ति होती है, जो वेट लॉस के लिए बहुत जरूरी है। शहतूत की पत्तियों की चाय मोटापा कम करने और सफेद शहतूत वजन घटाने में मदद करता है। इतना ही नहीं शहतूत के फल तथा उसकी पत्तियां वजन घटाने तथा शरीर के फैट को कम करने में कारगर साबित होती है।

नई माताओं में लैक्टेशन को बढ़ावा देने वाले खाद्य और जड़ी-बूटियों को गैलेक्टोगोग्स कहा जाता है। ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली मां के आहार में बहुत सारे प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मात्रा दोनों, माताओं में प्राकृतिक दूध को प्रोत्साहित कर उसे बनाए रखा जा सकता है। तथा, बहुत ज़रूरी है कि जितनी भी नई माताओं को प्राकृतिक रूप से कम दूध आता है, वे अच्छी डाइट और कुछ ख़ास फूड्स का अवश्य सेवन करें।

ब्रेस्टफीडिंग बढ़ाने के लिए खाएं ये फूड्स

मेथी: मेथी के बीज और पत्ते दोनों ही ब्रेस्टमिल्क उत्पादन को बेहतर बनाने के लिए बेहद उपयोगी हैं। मेथी एक गैलेक्टागॉग साबित हुआ है जिसका अर्थ है कि इनके बीजों के सेवन से महिलाओं में लैक्टेशन ग्रंथियों को प्रोत्साहित करेगा, जिससे दूध की आपूर्ति बढ़ जाएगी। चूंकि इसका सेवन करना आसान है और इसे कई रूपों में खाया जा सकता है। मेथी के बीज, दूध की आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहे नए माताओं के लिए एक आशीर्वाद रहा है। ब्रेस्टफीड को बढ़ाने के लिए मेथी के बीज का उपयोग सबसे महत्वपूर्ण रहा है।

पालक: यह आयरन का एक उत्कृष्ट स्रोत है। आयरन ऊर्जा को बहाल करने और एनीमिया और कमजोरी से लड़ने में मदद करता है। किसी भी संक्रमण से बचने के लिए, खासकर मानसून के दौरान, पालक को सेवन से पहले अच्छी तरह से उबाला जाना चाहिए।

सौंफ: सौंफ या सौंफ के बीज फाइबर युक्त होने के अलावा, यह पोटेशियम, फोलेट, विटामिन सी, विटामिन बी -6 और फाइटोन्यूट्रिएंट से भी भरा हुआ है।साथ ही इनमें ओस्ट्रोजेनिक गुण होते हैं। इसीलिए सौंफ भी नई माताओं में दुग्ध उत्पादन में मदद करते हैं।

लौकी: यह सब्जी ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली महिला को अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रखने में मदद करती है। लौकी पानी से भरा है, जो आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखता है। साथ ही विटामिन सी, ए और के का एक समृद्ध स्रोत भी है और सोडियम, कैल्शियम, आयरन, जिंक और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक खनिजों में भी समृद्ध है। इसीलिए लौकी का सेवन भी नई माताओं में दुग्ध उत्पादन करने में मदद करते हैं।

नट्स: ये सेरोटोनिन का एक उत्कृष्ट स्रोत हैं, जो लैक्टेशन को बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही ये विटामिन और स्वस्थ ओमेगा- 3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं। ब्रेस्टफीडिंग के एक सत्र के बाद मुट्ठी भर काजू और बादाम को मिलाकर उसे बारीकी से पीसकर एक पाउडर बनाएं और स्मूदी और फ्रूट जूस में मिलाकर इसका सेवन करें।

लहसुन: यह ब्रेस्टफीडिंग कराने के लिए सबसे अच्छा खाद्य पदार्थों में से एक है। आहार में एक नया स्वाद प्रदान करने के अलावा, यह एक उत्कृष्ट पाचन के रूप में भी कार्य करता है। लगभग 88% ब्रेस्टमिल्क पानी से बना होता है, एक ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली मां के लिए ज़रूरी है कि वह खुद को अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रखें।

हर आदमी के जीवन में पैसे की अहम भूमिका होती है। अगर आप जीवन में पैसे की टेंशन से बचना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप कुछ गलतियों से बचें। इससे आप जीवन में किसी भी स्थिति का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

सेविंग्स में न करें ये गलतियां

अपनी सेविंग से कर्ज चुकाना

पैसा निकालना, पैसा जमा करने की तुलना में आसान है। अक्सर लोग यह गलती करते हैं कि अपनी सेविंग से कर्ज चुकाते हैं। शुरुआत में इस गलती का अहसास नहीं होता है लेकिन बाद में आपको इसका महत्व समझ में आता है। इससे बचने का तरीका यह है कि आप अपने कर्ज के पेमेंट को ऑटो मोड में डाल दें। इससे आपके कर्ज का भुगतान हर माह होता रहेगा और आप कर्ज के जाल में नहीं फंसेंगे।

इमरजेंसी फंड न मेन्टेन करना

ज्यादातर परिवार एक मासिक खर्च पर अपना जीवन गुजारते हैं। ऐसे में अगर खर्च थोड़ा भी बढ़ता है तो दिक्कत हो जाती है। ऐसे में अगर आपको मेडिकल इमरजेंसी का सामना कर पड़ जाए तो यह परिवार पर काफी भारी पड़ता है। इसके अलावा अगर शार्ट नोटिस पर आपकी नौकरी चली जाए तो महीने के जरूरी खर्च का इंतजाम करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप एक इमरजेंसी फंड जरूरी मेन्टेन करें।

बिना बजट के खर्च करना

वित्तीय तौर पर आपका फ्यूचर कैसा होगा यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आज आप पैसा किस तरह से खर्च करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप खर्च करने से पहले बजट बनाएं। वरना आपको पता ही नहीं चलेगा कि आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है।

दोस्तों को कर्ज देना

आपको अपने रिश्तेदारों और दोस्तों की जरूरत पड़ने पर पैसे से मदद करनी चाहिए लेकिन अपने मासिक बजट या सेविंग की कीमत पर नहीं। आम तौर पर रिश्तेदारों या दोस्त वादा करके भी समय पर पैसा वापस नहीं करते हैं। ऐसे में आप उतना ही कर्ज दे जिसे देकर आप भूल जाएं। इससे ज्यादा कर्ज देना आपकी वित्तीय सेहत पर भारी पड़ सकता है।

फेस्टिव सीजन प्रारम्भ हो चुका है। भारतीय संस्कृति में उत्सव सुंदर सुंदर वस्त्र, मिठाईयां और भांति भांति के व्यंजन अपने साथ लेकर आते हैं। इन दिनों महिलाएं भी विभिन्न पर्वों पर सज-धज कर तैयार होतीं हैं। साड़ी हर महिला को पसन्द होती है यूं भी साड़ी भारतीय महिलाओं का एक ऐसा परिधान है जो प्रत्येक उम्र, शेप और वर्ग पर फबती है क्योंकि इसमें पहनने वाले के अनुकूल ढल जाने की क्षमता होती है। आजकल साड़ी ऑकेजन पर पहने जाने वाला परिधान हो गया हैपरन्तु अक्सर महिलाएं ऑकेजन पर भी साड़ी पहनने से कतराती हैं क्योंकि उन्हें साड़ी पहनना बहुत मुश्किल काम लगता है। यद्यपि बाजार में आजकल रेडी टू वीयर साड़ी उपलब्ध हैं परन्तु एक तो इनकी कीमत अधिक होती है, दूसरे आप अपनी मनचाही साड़ी भी नहीं पहन पातीं इसलिए आज हम आपको घर पर ही रेडी टू वीयर साड़ी बनाना बता रहे हैं, जिसे आप पहले से बनाकर रख लीजिए और फेस्टिवल के समय मिनटों में पहन लीजिए इसे बनाना भी बहुत आसान है। तो आइए देखते हैं कि इसे कैसे बनाया जाता है-

रेडी टू वीयर साड़ी बनाने के 8 टिप्स

स्टेप 1- साड़ी को खोलकर साड़ी के प्रारंभिक सिरे और पल्लू के 1-1 मीटर भाग को छोड़कर 1 सेफ्टी पिन लगा दें इस प्रकार बीच का लगभग 3.50 मीटर साड़ी का हिस्सा अलग हो जाएगा।

स्टेप 2 अब बीच के छूटे हुए लगभग साढ़े तीन मीटर साड़ी की उंगलियों की सहायता से प्लीट्स बनाकर अंदर की तरफ से बड़ा सेफ्टी पिन लगा दें।

स्टेप 3 इन प्लीट्स पर आप फ्रंट साइड से मनचाहे डिजाइन का फैंसी पिन भी लगा सकतीं हैं।

स्टेप 4 पल्लू के छुटे हिस्से की भी लंबाई में प्लीट्स बनाकर पिन लगाएं। पल्लू के नीचे की साइड पर भी पिन लगा दें ताकि पल्लू की प्लीट्स पहनते समय आपको कन्फ्यूज न करें। प्लीट्स में बीच में भी 2-3 जगह पर सेफ्टी पिन लगाएं ताकि आसानी से आप पहन सकें।

स्टेप 5 पल्लू की प्लीट्स बनाते समय ध्यान रखें कि ऊपरी प्लीट अन्य प्लीट्स से थोड़ी चौड़ी रहे ताकि ब्लाउज का फ्रंट पोर्शन पूरी तरह कवर हो जाये।

स्टेप 6 जब भी आपको पहनना हो आप पेटिकोट में शुरू के छोड़े हिस्से को खोंसे, पल्लू की प्लीट्स को पीछे से घुमाकर सामने लाएं और ब्लाउज में अटैच करें, फ्रंट प्लीट्स को भी पेटिकोट में खोंसे 5 मिनट में आप साड़ी पहनकर तैयार हो जाएंगी।

स्टेप 7 अंत में शोल्डर पर आ रही पल्ले की प्लीट्स को एक पिन की सहायता से ब्लाउज में अटैच कर लें, पल्लू के शेष सभी पिन्स को निकाल दें।

स्टेप 8 ध्यान रखें कि साड़ी को साइड से ब्लाउज और सामने से पेटिकोट से अटैच अवश्य कर लें ताकि साड़ी इधर उधर न खिसके।

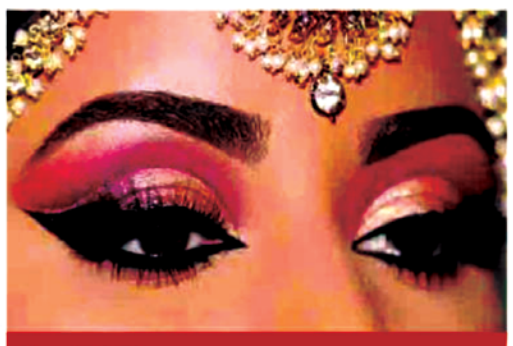

फेस्टिवल्स पर

आई मेकअप से दिखें ग्लैमरस

त्योहारों का सीजन हो और सजना सवारना न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। क्योंकि त्योहार जहां मन में उमंग लाते हैं, वहीं त्योहार सजने सवरने का भी मौका देते हैं। खासकर महिलाओं को, क्योंकि मेकअप महिलाओं की खूबसूरती को बढ़ाने का काम जो करता है। ऐसे में त्योहारों पर मेकअप की बात हो और आई मेकअप न किया जाए तो सारे मेकअप पर पानी फिर जाता है। इसलिए इन त्योहारों मेकअप से अपनी आंखों को खूबसूरत बनाकर करें त्योहारों को एंजोय। कैसे करें अलगअलग तरह के आई मेकअप

सिंपल आई मेकअप

अगर आपको सिंपल लुक ज्यादा पसंद है और आप अपनी आंखों को ज्यादा तड़कभड़क लुक नहीं देना चाहतीं तो सिर्फ अपनी आंखों को दो चीजों से निखारें। काजल और दूसरा आई लाइनर। बस आपको अपनी आंखों के नीचे काजल लगाकर अपनी पसंद के अनुसार आंखों के ऊपर पतला या मोटा लाइनर अप्लाई करना होगा। यकीन मानिए मिनटों में आपका लुक चेंज हो जाएगा। आप चाहें तो इसके लिए मल्टी पर्पस पेंसिल काजल या लाइनर का इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर जैल फोर्म में भी यूज कर सकती हैं। जिसे आप काजल के रूप में भी इस्तेमाल कर सकती हैं, लाइनर के रूप में भी और बिंदी के लिए भी। आपको मार्केट में अलग-अलग वैरायटी के साथ साथ डिफरेंट कलर्स के लाइनर व काजल मिल जाएंगे, जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार खरीद कर बढ़ाएं अपनी खूबसूरती को।

कैट आई लुक

कैट आई लुक काफी डिमांड में है, जो न सिर्फ आंखों को खूबसूरत बनाता है बल्कि आपके कोन्फिडेन्स को भी कई गुणा बढ़ाने का काम करता है। वैसे इस लुक को खुद से करना थोड़ा मुश्किल जरूर है लेकिन एक दो बार प्रैक्टिस करके आप खुद से अपनी आंखों को कैट आई लुक दे सकती हैं। बस इसके लिए आपको जैल आई लाइनर, पेंसिल आई लाइनर या वाटरप्रूफ लिक्विड आई लाइनर के साथ ब्रश की जरूरत होगी, जिससे आप अपनी आंखों को क्लासिक लुक ले पाएंगी।

जैसी स्किन वैसी देखभाल

मौसम बदलने लगा है और आने वाले फुहारों के मौसम यानि मौनसून के दौरान हवा में ज्यादा नमी से आपको परेशानी हो सकती है। विशेषरूप से उन्हें जिन की त्वचा तैलीय या मिश्रित होती है। पसीने और तेलस्राव के कारण तैलीय त्वचा और अधिक तैलीय व सुस्त लगने लगती है। जब मौसम गरम और नमीयुक्त होता है तब लाल चकते, फुंसियां, खुले रोमकूप जैसी समस्याएं पैदा होती हैं और गंदगी त्वचा पर जमने लगती है।

तरोताजा त्वचा के लिए

- पसीने और तेल से मुक्त होने के लिए मौनसून में त्वचा को साफ और तरोताजा करना बहुत जरूरी होता है। स्क्रब की सहायता से रोमकूपों की गहरी सफाई करने से त्वचा अवरुद्ध नहीं होती और मुंहासों से भी बचाव होता है। टोनिंग के जरिए भी त्वचा को तरोताजा बनाने और रोमकूपों को बंद करने में मदद मिलती है।
- फेशियल स्क्रब का प्रयोग सप्ताह में 2 बार करें। इसे चेहरे पर लगाएं और धीरेधीरे गोलाई में त्वचा पर रगड़ें। फिर साफ पानी से धो लें। आप चाहें तो दही में चावल का आटा या पिसे बादाम मिला कर घर में ही फेशियल स्क्रब तैयार कर सकती हैं। स्क्रब में सूखे नीबू का चूर्ण या फिर संतरे के छिलकों का चूर्ण भी मिला सकती हैं।
- ध्यान रखें कि मुंहासे और संवेदनशील त्वचा होने पर स्क्रब का प्रयोग न करें। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए ओट्स और अंडे की सफेदी के मिश्रण का सप्ताह में 2 बार प्रयोग करें।
- इस मौसम में फूलों से बने किसी त्वचा टौनिक या फ्रैशनर का इस्तेमाल उपयोगी साबित होता है। गुलाबजल एक नैसर्गिक टोनर है। रुई पैड को गुलाबजल में भिगो कर या त्वचा टौनिक को फ्रिज में रखें। त्वचा को स्वच्छ और तरोताजा बनाने के लिए इससे चेहरे को साफ करें। घर से बाहर निकलते समय नम टिशू साथ ले जाएं। नम टिशू से चेहरा साफ करने के बाद कौंपैक्ट पाउडर लगाएं।

TV स्क्रीन साफ करने के टिप्स

टीवी स्क्रीन पर कुछ समय से एक खड़ी लाइन नजर आ रही थी...इस बाबत जब कम्पनी मेकेनिक को बुलाया गया तो उसने बताया कि स्क्रीन की सफाई करते समय टीवी पर सीधे पानी के स्प्रे करने के कारण आयी नमी के कारण अक्सर खड़ी या आड़ी लाइनें आ जातीं हैं। टीवी आज हर घर में मौजूद है। इस पर जमी धूल मिट्टी को हम सभी अपने अपने तरीके से साफ करते हैं पर साफ करने के बाद अक्सर टीवी स्क्रीन पर पानी की अनेकों लाइनें या धब्बे नजर आने लगते हैं। आज हम आपको टीवी साफ करने के कुछ टिप्स बता रहे हैं जो निस्संदेह आपके लिए मददगार साबित होंगे-

- टीवी साफ करने के लिए 1 टेबलस्पून तरल सोप को 1/2 कप पानी में मिलाएं अब इस घोल में कपड़े को डुबोकर निचोड़ दें फिर टीवी स्क्रीन को साफ करें अब सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े से हल्के हाथ से पोंछ दें।
- डिटर्जेंट घोल के अलावा आप बाजार में उपलब्ध कोलीन का भी प्रयोग भी कर सकतीं हैं।
- एलसीडी, एलईडी और ओलेड टीवी स्क्रीन को टिश्यू या टॉवल के स्थान पर सॉफ्ट माइक्रोफाइबर कपड़े से हल्के हाथ से साफ करना चाहिए।
- किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को सीधे टीवी पर डालने की अपेक्षा पहले सॉल्यूशन को कपड़े पर लगाएं फिर स्क्रीन को साफ करें। सॉल्यूशन को सीधे स्प्रे करने पर टीवी पर दाग लग जाते हैं।
- टीवी की सफाई करते समय टीवी को स्विच ऑफ कर दें ताकि किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रिक गड़बड़ी न हो सके।

आज की रेसिपी

शुगर फ्री गुलाब की खीर

सामग्री :
2 टेबल स्पून चावल
11/2 लीटर फुल क्रीम दूध
स्वादानुसार शुगर फ्री पाउडर
2 टेबल स्पून ड्राई फ्रूट्स,
टुकड़ों में कटा हुआ
1 टी स्पून इलायची पाउडर
2 टेबल स्पून सूखी गुलाब की पंखुड़ियां
ताजी गुलाब की पंखुड़ियां गार्निशिंग के लिए

विधि

- चावल को धोकर 15 मिनट के लिए भिगो दें।
- अब एक चौड़ी कढ़ाई में दूध गर्म करें और उसमें उबाल आने दें।
- चावल को निथार लें और धीमी आंच पर उबलते दूध में डालें। चावल को दूध में पकने दें।
- जब चावल आधे से ज्यादा पक जाएं तो इसमें कटे हुए ड्राई फ्रूट्स, सूखी गुलाब की पंखुड़ियां और इलायची पाउडर डालें।
- जब चावल पूरी तरह से पक जाएं और चावल की खीर मनचाही गाढ़ी हो जाए, तो गैस बंद कर दें और शुगर फ्री पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- खीर को अलग-अलग बाउल में निकाल लीजिए। गुलाब की पंखुड़ियों से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

माइग्रेन के दर्द से पाएं छुटकारा

आमतौर पर लोग सिर के दर्द को सामान्य सी तकलीफ समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन इसे नजरंदाज करना ठीक नहीं है, क्योंकि लंबे वक्त के बाद ये काफी तकलीफदेह साबित हो सकता है। बारबार सिर में होने वाला दर्द माइग्रेन कहा जाता है। यह उम्र के किसी भी पड़ाव पर हो सकता है। माइग्रेन से होने वाले सिरदर्द को कुछ आसान घरेलू उपायों से दूर किया जा सकता है। ये उपाय पूरी तरह से साइड इफेक्ट से रहित हैं और आपको किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते। आइए, जानते हैं कि कौन से घरेलू उपाय आपको इस समस्या से निजात दिलाने में मददगार हो सकते हैं।

अंगूर का रस
ताजा अंगूर के रस को ब्लेंड कर लें। इसमें थोड़ा पानी मिलाएं और पी जाएं। इससे माइग्रेन के दर्द से राहत मिलती है। बेहतर परिणाम के लिए इस ड्रिंक का दिन में दो बार सेवन करें। अंगूर डाइटरी फाइबर, विटामिन ए, सी और कार्बोहाइड्रेड से भरपूर होता है। माइग्रेम के लिए यह बेहतरीन घरेलू नुस्खा है।

अदरक
अदरक शरीर के किसी भी भाग में दर्द से निजात दिलाने में लाभकारी है। चाहे वह दर्द माइग्रेन का ही क्यों न हो। इसके लिए आप अदरक की चाय पी सकते हैं। या फिर अदरक के जूस में थोड़ा सा नींबू का रस मिला लें और सेवन करें। इसके अलावा आप अदरक के पाउडर का पेस्ट बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

दालचीनी
दालचीनी सिर्फ आपके खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता है। बल्कि यह माइग्रेन के लिए बेहतरीन औषधि है। दालचीनी पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। इस लेप को माथे पर लगाकर 30 मिनट तक रहने दें। बाद में गर्म पानी की मदद से हटा लें। माइग्रेन से काफी राहत मिलेगा।

व्यायाम
नियमित रूप से व्यायाम माइग्रेन से राहत देता है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से भी माइग्रेन की समस्या से निजात मिलती है। हरी शाक-सब्जियों के नियमित सेवन से भी माइग्रेन की समस्या से निजात मिलती है।

थोड़ी सी कॉफी
माइग्रेन में दर्द से राहत पाने के लिए कैफीन का भी सहारा लिया जा सकता है। कॉफी से दर्द को कम किया जा सकता है।

ज्यादा प्रकाश से बचें
माइग्रेन को रोगी प्रकाश में देर तक न बैठें। इससे दर्द काफी बढ़ सकता है। बेहतर होगा कि प्रकाश के संपर्क में ज्यादा न रहें।

भारी बारिश ने बिगाड़ा रसोई का बजट, सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी, 350% उछला धनिये का भाव

बिजनेस डेस्क: अगस्त और सितंबर में अधिक बारिश के कारण प्रमुख शहरों में सब्जियों की आपूर्ति बाधित हो गई है और इनके दामों में भी भारी वृद्धि हो चुकी है। हरी सब्जियों में सबसे अधिक मूल्य वृद्धि धनिया के दामों में देखी गई है। सब्जियों के भाव में हुई बढ़ोतरी ने रसोई का बजट बिगाड़ कर रखा दिया है।

प्रमुख शहरों में सब्जियों के दामों में उछाल

दिल्ली में बीते एक महीने में धनिया के दाम 350 प्रतिशत बढ़ गए हैं, जबकि मुंबई में पालक के दामों में 100 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सब्जियों की आपूर्ति में आई बाधा का असर विभिन्न बाजारों पर अलग-अलग पड़ रहा है, क्योंकि कई सब्जियों का उत्पादन स्थानीय स्तर पर होता है और ये जल्दी खराब भी हो जाती हैं।

मंडियों में कारोबार पर बारिश का प्रभाव

भारी बारिश का असर मंडियों के व्यापार पर भी पड़ा है। मंडियों में ज्यादातर खरीद-बिक्री खुले आसमान के नीचे होती है, जिससे फसलें खराब हो जाती हैं। यदि अगले कुछ महीनों में प्रमुख फसल उत्पादक क्षेत्रों में बारिश जारी रहती है, तो सब्जियों के दामों में और वृद्धि हो सकती है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

केंद्र सरकार की पहल

केंद्र सरकार ने बढ़ते प्याज के दामों को नियंत्रित करने के लिए नेफेड और एनसीसीएफ के जरिये देशभर में सस्ते प्याज की बिक्री शुरू कर दी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की आधार मुद्रास्फीति जुलाई 2024 में घटकर 5.06 प्रतिशत हो गई थी, जबकि जून में यह 8.36 प्रतिशत थी।

महंगाई पर असर

हालांकि अगस्त और सितंबर में सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं, यह देखना बाकी है कि यह बढ़ोतरी कब तक आम लोगों की जेब पर भारी पड़ती है। यदि महंगाई में और उछाल आता है, तो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है, क्योंकि RBI अच्छी बारिश से खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में कमी की उम्मीद कर रहा था।

मॉनसून की स्थिति

इस वर्ष का मॉनसून सीजन 1 जून से शुरू हुआ, और अब तक 2024 के मॉनसून सीजन में 8 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। हालांकि, दक्षिण पश्चिम मॉनसून के इस सप्ताह के अंत तक सामान्य से 25 प्रतिशत अधिक रहने की सूचना है। सरकार सब्जियों की कीमतों को लेकर सतर्क है, क्योंकि यह आम जनता से जुड़े मुद्दों में से एक है।

एजुकेशन लोन के 3 शानदार ऑफर! जानें कौन-से बैंक दे रहे और जानिए कितना रहेगा ब्याज?

नेशनल डेस्क : आज के समय में अच्छी शिक्षा प्राप्त करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन शिक्षा की बढ़ती लागत के कारण कई लोग बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं। ऐसे लोगों के लिए बैंक लोन की सुविधा उपलब्ध है। जो लोग अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं लेकिन फीस के लिए पैसे की कमी महसूस कर रहे हैं, उनके लिए तीन बैंकों से लोन प्राप्त किया जा सकता है।एजुकेशन लोन दो प्रकार के होते हैं- सुरक्षित और असुरक्षित। सुरक्षित लोन में बैंक आपकी किसी संपत्ति को गिरवी रखती है, जबकि असुरक्षित लोन में आपको कोई संपत्ति गिरवी नहीं रखनी पड़ती। दोनों प्रकार के लोन की ब्याज दरें अलग-अलग होती हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में एजुकेशन लोन लेने की सोच रहे हैं तो यहां आपको 11.15 फीसदी की दर से ब्याज मिल सकता है। यह बैंक छात्रों को थोड़ी छूट देते हुए उनको 50 बेसिस प्वाइंट देता है। इसकी SBI स्कॉलर लोन स्कीम में कुछ चुनिंदा संस्थानों को कम ब्याज पर लोन मिलता है। और ये भी पढ़े

आईसीआईसीआई आईसीआईसीआई बैंक से पढ़ाई के लिए आप एक करोड़ तक का लोन ले सकते हैं। इस लोन की राशि तब और बढ़ जाती है, जब आप पढ़ाई के लिए विदेश जाते हैं। इसके लिए छात्रों को लगभग 3 करोड़ तक का लोन दिया जा सकता है। इस लोन की ब्याज दर 9.5% से लेकर 11.31% प्रतिवर्ष तक हो सकती है। ICICI एजुकेशन लोन बिना किसी जमानत के देता है।

महंगा हुआ सोना, 83000 के पार पहुंची चांदी

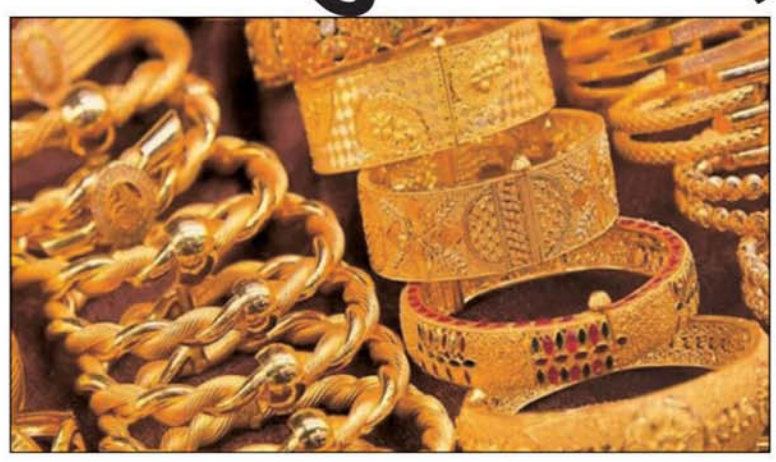

बिजनेस डेस्क: सप्ताह के पहले दिन सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय आज सोने के वायदा भाव 0.17 फीसदी बढ़त के साथ 71,547 रुपए, जबकि चांदी के वायदा भाव 0.45 फीसदी चढ़कर 83,130 रुपए के पर कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। Come& पर सोना 2,526.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,524.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 2.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,527.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

Come& पर चांदी के वायदा भाव 28.27 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 28.18 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.18 डॉलर की तेजी के साथ 28.36 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सोने-चांदी की कीमतें

आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की बढ़ती मांग के कारण राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने की कीमत 100 रुपए बढ़कर 74,200 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई जबकि चांदी का भाव 1,200 रुपए के उछाल के साथ 85,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 74,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बृहस्पतिवार को पिछले सत्र में चांदी 84,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा, 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 100-100 रुपए बढ़कर क्रमश- 74,200 रुपए और 73,850 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई।

इस साल सोने में अब तक 8 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

IBJA के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 8,218 रुपए ब? चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,570 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से ब?कर 82,085 रुपए पर पहुंच गए हैं।

धनतेरस पर सोने की कीमत बना सकती हैं नया रिकॉर्ड

बिजनेस डेस्क: आने वाले कुछ समय में सोने की कीमतें बढ़ने वाली है। विशेषज्ञों ने सोने की कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई है। आने वाले समय में कई कारक सोने की कीमतों में उछाल ला सकते हैं, जैसे त्योहारी सीजन, शादियों का समय और विश्व के विभिन्न हिस्सों में युद्ध की स्थिति। भारत ने हाल ही में अपने सोने के भंडार में वृद्धि की है। इस साल के बजट में सोने पर कस्टम ड्यूटी में कमी की गई थी, जिसके कारण सोने की कीमत में गिरावट आई थी और यह 70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे आ गया था। हालांकि, अब फिर से सोने में तेजी देखी जा रही है और विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन महीनों में सोने की कीमत में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। वर्तमान में स्प्रङ्ख पर सोने की कीमत 71,500 रुपए प्रति 10 ग्राम है।

त्योहार और शादियों का सीजन

त्योहार और शादियों का सीजन आने वाला है, जिससे सोने की कीमतों में उछाल की उम्मीद है। दिवाली के समय अक्सर सोने की कीमतें बढ़ती हैं और इस बार धनतेरस पर सोने की कीमत नया रिकॉर्ड बना सकती है। देवोत्थान एकादशी के बाद शादियों का सीजन भी शुरू होगा, जिससे सोने की मांग और बढ़ने की संभावना है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती

अमेरिका में मंदी की संभावना को देखते हुए, फेडरल रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो सोने की कीमतों में तेजी आने की संभावना है। अमेरिका के आगामी चुनावों के मद्देनजर भी वहां की सरकार पर मंदी को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को कम करने का दबाव है।

वैश्विक युद्ध का प्रभाव

रूस-यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्षों के कारण सोने की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। युद्ध की स्थितियों के चलते कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीदारी बढ़ा दी है, जिससे सोने की कीमत में लगातार वृद्धि हो रही है। भविष्य में युद्ध की परिस्थितियों और बिगड़ने की संभावना है, जिसके चलते सोने की मांग और भंडारण में वृद्धि हो सकती है।

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

सेंसेक्स-निफ्टी दोनों धड़ाम

मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 9 सितंबर को गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 150 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ के 81,000 स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके 30 शेयरों में से 22 में गिरावट है। वहीं निफ्टी में भी करीब 50 अंक की गिरावट है। ये 24,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी 50 के 29 शेयर्स में गिरावट और 21 में तेजी देखने को मिल रही है। एनर्जी और मेटल शेयर्स में गिरावट है।

जापान में 2.14% की गिरावट

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 2.14% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 1.83% की गिरावट देखने को मिल रही है। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.93% और कोरिया का कोस्पी 0.78% की गिरावट है। 6 सितंबर को अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 0.54% गिरकर 40,755 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डैक 0.25% चढ़ा, ये 17,127 के स्तर पर बंद हुआ। S&Pz00 0.30% की गिरावट के साथ 5,503 पर बंद हुआ।

बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 6 सितंबर को सेंसेक्स 1017 अंक (1.24%) की गिरावट के साथ 81,183 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 292 अंक (1.17%) की गिरावट रही, ये 24,852 के स्तर बंद हुआ था।

कार्ड से पेमेंट करने वाले ध्यान दें! 2000 रुपए तक के पेमेंट पर देना है 18 फीसदी जीएसटी

नेशनल डेस्क: गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स काउंसिल की बैठक 9 सितंबर को होने वाली है, जिसमें डिजिटल पेमेंट प्रोसेसिंग करने वाली कंपनियों जैसे बिलडेस्क और सीसीएवेन्यू पर 18 जीएसटी लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा की जा सकती है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो इन कंपनियों को 2000 रुपए से कम के लेनदेन पर भी जीएसटी देना पड़ेगा। फिलहाल, 2000 रुपए से कम के ट्रांजेक्शन पर इन कंपनियों को टैक्स से छूट मिलती है।

टैक्स का कारण

जीएसटी फिटमेंट पैनल का कहना है कि पेमेंट एग्रीगेटर कंपनियों को बैंकों की तरह नहीं माना जा सकता। इसलिए, उन्हें जीएसटी के दायरे में लाना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पैनल ने सुझाव दिया है कि इन कंपनियों पर 18% जीएसटी लागू किया जाना चाहिए। अगर यह फैसला लिया गया, तो यह डिजिटल पेमेंट कंपनियों के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि भारत में कुल डिजिटल लेनदेन का 80% हिस्सा 2000 रुपए से कम का होता है।

2016 से अब तक की स्थिति

2016 में नोटबंदी के बाद, सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर पेमेंट एग्रीगेटर्स को छोटे लेनदेन पर व्यापारियों को दी जाने वाली सेवाओं पर टैक्स लगाने से रोक दिया था। फिलहाल, पेमेंट एग्रीगेटर्स हर ट्रांजेक्शन पर व्यापारियों से 0.5% से 2% तक का शुल्क लेते हैं। अगर जीएसटी लागू होता है, तो यह अतिरिक्त लागत व्यापारियों पर डाल सकते हैं।

छोटे व्यापारियों पर होगा असर

अगर जीएसटी लागू होता है, तो छोटे व्यापारियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि 1000 रुपए के लेनदेन पर 1% शुल्क लगता है, तो व्यापारी को फिलहाल 10 रुपए देने पड़ते हैं। जीएसटी लागू होने के बाद यह बढ़कर 11.80 रुपए हो जाएगा। इससे छोटे व्यापारियों के मुनाफे पर असर पड़ेगा।

यूपीआई पर कोई असर नहीं

हालांकि, यूपीआई ट्रांजेक्शन पर जीएसटी का कोई असर नहीं होगा, क्योंकि यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट नहीं लगता है। वित्त वर्ष 2024 में यूपीआई ट्रांजेक्शन में 57% की बढ़ोतरी हुई है और यह 131 अरब को पार कर गया है। डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी 80% से अधिक हो चुकी है। जीएसटी सिर्फ डेबिट और क्रेडिट कार्ड से किए गए ट्रांजेक्शन पर लागू होगा। अगर त्रस्त्र काउंसिल इस प्रस्ताव को मंजूरी देती है, तो डिजिटल पेमेंट एग्रीगेटर्स के लिए यह बड़ी चुनौती होगी, ‹

चार साल में 80,000 करोड़ रुपए पर पहुंच सकता है कृषि रसायन निर्यात

बिजनेस डेस्क: भारत का कृषि रसायन निर्यात अगले चार वर्षों में 80,000 करोड़ रुपए से अधिक हो सकता है, अगर उद्योग को अनुकूल माहौल मिले। एफएसीआई और ईवाई की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है।

वर्तमान निर्यात

वित्त वर्ष 2022-23 में कृषि रसायनों का निर्यात 43,223 करोड़ रुपए रहा था, जो घरेलू खपत से अधिक है।

जीएसटी में कटौती की मांग

कृषि रसायनों पर जीएसटी को 18% से घटाकर 5% करने की मांग की गई है ताकि उद्योग को और बढ़ावा मिल सके।

मेक इन इंडिया पहल का योगदान

%मेक इन इंडिया% पहल को कृषि रसायनों के क्षेत्र में आयात निर्भरता कम करने और नए अवसर बनाने के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है।

यह पहल भारत को वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र बनाने में मदद कर सकती है।

उपयोग की कमी

भारत में प्रति हेक्टेयर 400 ग्राम कृषि रसायनों का उपयोग होता है, जो वैश्विक औसत 2.6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से काफी कम है।

उद्योग की चुनौतियां

- जटिल लाइसेंसिंग प्रक्रिया
- भंडारण और बिक्री के बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता
- जैव कीटनाशक उत्पादन में प्रोत्साहन की कमी
- नए अणुओं के लिए पंजीकरण की जटिल प्रक्रिया
- आयात पर निर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा
- अनुकूल माहौल की आवश्यकता
- लाइसेंसिंग मानदंडों का सरलीकरण
- जैविक कीटनाशकों के उत्पादन को बढ़ावा
- पीएलआई जैसी योजनाओं के माध्यम से वैश्विक निवेश आकर्षित करना
- व्यापार समझौतों के माध्यम से निर्यात विस्तार

वैश्विक भूमिका

भारत कृषि रसायनों के चौथे सबसे बड़े उत्पादक के रूप में उभर रहा है। लेकिन आयात के मामले में चीन पर भारी निर्भरता की चुनौती का सामना कर रहा है।

2025 तक आर्थिक लक्ष्य

कृषि रसायन उद्योग की भूमिका को देखते हुए, यह भारत को 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद कर सकता है।

धार्मिक यात्रा करने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी

हेलिकॉप्टर सेवाओं पर कर घटाकर 5 फीसदी किया

बिजनेस डेस्क: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी काउंसिल ने सोमवार की बैठक में धार्मिक यात्रा करने वालों को ब?ी खुशखबरी दी है। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया है कि अब धार्मिक यात्रा करने वालों को हेलीकॉप्टर सेवा लेने पर 18 फीसदी की बजाय सिर्फ 5 फीसदी जीएसटी ही देना प?ेगा। उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने यह जानकारी दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक अभी चल रही है। अग्रवाल ने संवाददाताओं से कहा, %%केदारनाथ, बद्रीनाथ जैसी धार्मिक यात्राओं पर श्रद्धालुओं को ले जाने वाली हेलिकॉप्टर सेवाओं पर कर को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी।

अब स्पष्टता होगी।%% जीएसटी संबंधी मामलों में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई जीएसटी परिषद की बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श होने की संभावना है। इसमें जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर में कटौती भी शामिल है। अग्रवाल ने कहा कि परिषद ने डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिये 2,000 रुपए तक के छोटे डिजिटल लेनदेन के लिए बिलडेस्क और सीसीएवेन्यू जैसे भुगतान एग्रीगेटरों (पीए) पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के मुद्दे को कर अनुशंसा समिति के पास भेज दिया है। इस समय भुगतान एग्रीगेटरों को 2,000 रुपए से कम की राशि के लेनदेन पर जीएसटी का भुगतान करने से छूट है। परिषद जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के कराधान पर फिटमेंट समिति की रिपोर्ट पर भी चर्चा कर सकती है।

अडानी ग्रुप की बांग्लादेश को चेतावनी कहा- जल्द चुकाओ 4200 करोड़ का पेमेंट

बिजनेस डेस्क: अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी का कारोबार कई देशों में फैला हुआ है, जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है। अडानी समूह वहां कई इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। मौजूदा समय में बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के बीच अडानी ने वहां की नई अंतरिम सरकार से 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,200 करोड़ रुपए) का बकाया भुगतान जल्द करने की मांग की है। यह रकम लगातार बढ़ती जा रही है। अगर बांग्लादेश पेमेंट करने में देरी करता है तो बांग्लादेश को दी जाने वाली बिजली की सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

नई सरकार के लिए चुनौती

हाल ही में बांग्लादेश में आंतरिक कलह के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में नई अंतरिम सरकार का गठन हुआ। नई सरकार अडानी ग्रुप को बिजली का पेमेंट करने में देरी कर रही है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश 500 मिलियन डॉलर के पेमेंट में पिछड़ गया है। पेमेंट यह कमी यूनुस के प्रशासन के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है।

बिजली के समझौते को यूनुस ने बताया महंगा सौदा

यूनुस ने ऐसे समझौतों को महंगा सौदा बताया है जो शेख हसीना के कार्यकाल में किए गए थे। इनमें अडानी ग्रुप के साथ यह बिजली का समझौता भी शामिल है। बता दें कि अडानी ग्रुप अपने 1600 मेगावाट के गोड्डा संयंत्र से बिजली की आपूर्ति करता है। यह बिजली बांग्लादेश को भी दी जाती है।

2.36 लाख करोड़ के निवेश से भारत में लगेंगे 6 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लाखों को मिलेगा रोजगार

बिजनेस डेस्क : भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण पहल तेजी से आकार ले रही है। वैश्विक और घरेलू कंपनियों द्वारा इस सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। अब तक देश में 6 सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स को मंजूरी मिल चुकी है, जिसमें करीब 2.36 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत कंपनियों को सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने पर 50% पूंजीगत सहायता प्रदान की जा रही है। जानकारों का मानना है कि भारत के सेमीकंडक्टर हब बनने से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

अडानी ग्रुप और टावर सेमीकंडक्टर प्लांट

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में अडानी ग्रुप और इजरायली कंपनी टावर सेमीकंडक्टर का 83,947 करोड़ रुपए का सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है। पहले चरण में इसकी उत्पादन क्षमता 40,000 वेफर्स प्रति माह होगी और दूसरे चरण में यह 80,000 वेफर्स तक पहुंच जाएगी।

मस्क की नेटवर्थ 2027 तक एक लाख करोड़ डॉलर यानी 8,39,67,92,09,00,000 रुपए तक पहुंच सकती

2028 तक गौतम अडानी बन सकते दुनिया के दूसरे ट्रिलियनेयर!

बिजनेस डेस्क: साल 2027 तक दुनिया को अपना पहला ट्रिलियनेयर मिलने की संभावना है और यह व्यक्ति एलन मस्क हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मस्क की नेटवर्थ 2027 तक एक लाख करोड़ डॉलर यानी 8,39,67,92,09,00,000 रुपए तक पहुंच सकती है। दिलचस्प बात यह है कि मस्क के एक साल बाद 2028 में भारत को भी अपना पहला ट्रिलियनेयर मिल सकता है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी अगर सालाना 123% की औसत वृद्धि दर बनाए रखते हैं, तो वे भी इस क्लब में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान में मस्क 237 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति हैं, जबकि गौतम अडानी 99.6 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 13वें स्थान पर हैं।

एलन मस्क की तेजी से बढ़ती नेटवर्थ

Informa Connect Academy की एक स्टडी के अनुसार, टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कई कंपनियों का नेतृत्व करने वाले मस्क की नेटवर्थ सालाना 110% की औसत वृद्धि दर से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 तक उनकी संपत्ति चार गुना से भी अधिक हो जाएगी। इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 7.73 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है।

अडानी की नेटवर्थ में भी हो रही है तेजी

दूसरी ओर, अडानी की संपत्ति सालाना 123% की औसत दर से बढ़ रही है। अगर यह दर बरकरार रहती है, तो 2028 तक अडानी भी ट्रिलियनेयर क्लब में शामिल हो सकते हैं। इस साल अडानी की नेटवर्थ में 15.3 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। एशियाई रईसों की सूची में अडानी, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

2030 तक ट्रिलियनेयर क्लब में कई नए नाम

रिपोर्ट के अनुसार, एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग और इंडोनेशिया के सबसे बड़े रईस प्राजोगो पैंगेस्तु 2028 तक ट्रिलियनेयर बन सकते हैं। वहीं, फ्रांसीसी व्यवसायी बर्नार्ड अर्नाल्ट 2030 तक इस क्लब में शामिल हो सकते हैं। उसी साल फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग भी ट्रिलियनेयर क्लब का हिस्सा बन सकते हैं। अब तक सिर्फ कुछ कंपनियां ही ट्रिलियन डॉलर क्लब में शामिल हुई हैं, जिनमें ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, अल्फाबेट, एमेजॉन, सऊदी अरामको और मेटा शामिल हैं। वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने भी हाल ही में ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल किया था।

संक्षिप्त समाचार

राशन कार्डों के नवीनीकरण की तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

बिलासपुर। राशन कार्डों के नवीनीकरण की तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। बचे हुए उपभोक्ताओं को एक और मौका नवीनीकरण के लिए दिया गया है। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा इस आशय के आदेश जारी किए गए हैं। जिले के खाद्य नियंत्रक अनुराग सिंह भदौरिया ने इस आशय की जानकारी दी है।

श्रमिक पंजीयन हेतु शिविरों का सिलसिला लगातार जारी

बिलासपुर। श्रम विभाग द्वार जिले के भवन निर्माण जगहों पर काम कर रहे श्रमिकों को छत्तीसगढ़ एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीयन कराने हेतु विभाग द्वारा शिविरों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। विभाग द्वारा श्रमिकों के कामों के अनुसार उन्हें शिविर स्थल पर ही उनका पंजीयन किया जा रहा है। श्रमिक केवल अपने आधार कार्ड, बैक खाता एवं मोबाईल नम्बर की जानकारी देकर श्रम विभाग से अपना पंजीयन करा सकते हैं। शिविर में ऐसे श्रमिकों का भी पंजीयन किया जाएगा जिनका पूर्व में ई-श्रम कार्ड बना हुआ है। शिविर का आयोजन 12 सितम्बर को एस एस स्कूल बिल्हा हाई कोर्ट कॉलोनी बोदरी एवं हाउसिंग कॉम्प्लेक्स छठघाट, 13 सितम्बर को साहू मोहल्ला सेंदरी, 17 सितम्बर को आदिवासी भवन तेलीपारा, हाउसिंग देवरी खुर्द एवं अरपा ग्रीन सेंदरी, 20 सितम्बर को तहसील भवन सीपत, बरतोरी एवं गीतांजलि सिटी, 23 सितम्बर को राजकिशोर नगर, 24 सितम्बर को अंडरग्राउंड पार्किंग बोदरी, 25 सितम्बर को मस्तूरी, 27 सितम्बर को नचिकेता सिलपहरी एवं गणपति होम्स मोपका में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

व्यापम की परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम स्थापित छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा 15 को

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 15 सितम्बर को छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। व्यापम द्वारा मिली जानकारी के अनुसार जिले में लगभग 64925 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे जिसके लिए 210 शैक्षणिक संस्थाओं को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। जिला कार्यालय के प्रोटोकॉल शाखा कक्ष क्रमांक 25 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। ये कंट्रोल रूम 14 सितम्बर को सवेरे 10 से शाम 5 बजे तक एवं 15 सितम्बर के सवेरे 8 से दोपहर 1 बजे तक संचालित रहेगा। कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07752-223643 भी जारी किया गया है। कंट्रोल रूम प्रभारी के रूप में तखतपुर सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री सूर्यकांत जायसवाल, कोटा सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीमती संध्या जासवाल, विकासखंड श्रोत समन्वयक श्री देवी प्रसाद चंद्राकर एवं मस्तूरी सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री रूद्वेश्वर प्रसाद एक्का को प्रभार दिया गया है।

बलौदा समपार आवश्यक रखरखाव हेतु बंद रहेगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत नैला-अकलतरा स्टेशनों के मध्य किमी. 677/01-03 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 345 (बलौदा फाटक) को, दिनांक 13 सितम्बर 2024 (शुक्रवार) रात्रि 10 बजे से दिनांक 14 सितम्बर 2024 (शनिवार) प्रात: 06.00 तक तथा दिनांक 14 सितम्बर 2024 (शनिवार) रात्रि 10 बजे से दिनांक 15 सितम्बर 2024 (रविवार) प्रात: 06.00 तक आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पास में ही स्थित सबवे (रेल अंडरब्रिज) से उपलब्ध है। रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

बैंक ने जनपद अध्यक्ष तोकेश्वरी मांझी के आवास को किया सील

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के छुरा जनपद अध्यक्ष तोकेश्वरी मांझी के आमामापारा स्थित आवास को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के प्रबंधन ने सील कर दिया है। यह कार्रवाई बैंक द्वारा उनके द्वारा लिए गए होम लोन की अदायगी में चूक के चलते की गई है। जानकारी के अनुसार, तोकेश्वरी मांझी और उनके पति कदम मांझी ने 6 अगस्त 2019 को बैंक से 20 लाख रुपये का होम लोन लिया था। हालांकि, 14 दिसंबर तक उक्त राशि के बदले 2 लाख 76 हजार रुपये का ब्याज जोड़कर कुल 22 लाख 76 हजार रुपये की देनदारी बन गई। निर्धारित समय पर बकाया रकम का भुगतान न होने पर, बैंक ने मामले को गरियाबंद कलेक्टोरेट में जिला दंडाधिकारी दीपक अग्रवाल के समक्ष रखा।

बदलेगी तस्वीर स्टेशन बिलासपुर की

392 करोड़ रुपये की लागत से होगा बिलासपुर स्टेशन का पुनर्विकास

■ पुरानी स्टेशन बिल्डिंग को संरक्षित रखते हुये यात्री केन्द्रित सुविधाओं का किया जाएगा उन्नयन एवं आधुनिकीकरण

बिलासपुर/ संवाददाता

रेलवे देश की लाइफलाइन है। रेलवे लगातार यात्री सेवा को सुलभ करने के लिए नवीनतम तकनीक, सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने पर काम कर रही है वर्तमान में रेल मंत्रालय के महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधा प्रदान करने हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के पुनर्विकास के कार्य किए जा रहे हैं । इसी क्रम में बिलासपुर रेलवे स्टेशन को 392 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है इस योजना का उद्देश्य यात्री सुविधाओं को उन्नत करना, भीड़ प्रबंधन में सुधार लाना और स्टेशन परिसर को आधुनिक बनाने के साथ-साथ इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। पुनर्विकास के तहत बेहतर प्रतीक्षालय, अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और हरित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस योजना के तहत बिलासपुर शहर के दोनों किनारों पर उचित एकीकरण के साथ स्टेशन को सिटी सेंटर के रूप में विकसित करने तथा शहर को दोनों तरफसे जोड़ने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है । स्टेशन भवन का डिजाइन छतीसगढ़ के स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा जिससे यह बिलासपुर शहर या स्थान की खूबसूरती को प्रदर्शित करेगी। स्टेशन के पुनर्विकास के दौरान पुरानी ऐतिहासिक बिल्डिंग को पूर्ण रूप से संरक्षित रखा जाएगा। जिससे कि आधुनिक विकास के साथ-साथ हमारी धरोहर भी सुरक्षित रहे। कॉन्कोर्स में एकसाथ लगभग 800 यात्रियों

के बैठने के लिए काफी बड़ा वेटिंग एरिया का प्रावधान, 1150 से अधिक वाहनों के लिए लगभग 28 हजार वर्ग मीटर पार्किंग एरिया का प्रावधान, बेहतर भीड़ प्रबंधन हेतु स्टेशन में प्रवेश एवं निकास के अलग-अलग मार्ग का प्रावधान, 03 नए फुट चौड़े ओवरब्रिज का प्रावधान किया गया है जिसमें दो स्टेशन प्रवेश के लिए तथा एक स्टेशन से निकास के लिए होगा । 6051 वर्ग मीटर का कॉन्कोर्स का प्रावधान किया गया है, जिसमें 1700 वर्ग मीटर का कमर्शियल एरिया होगा, जिसमें व्यवसायिक प्रतिष्ठान एवं दुकाने होगी । बुजुर्गों तथा दिव्याङ्ग यात्रियों की विशेष सुविधा के लिए 30 लिफ्ट एवं 22 एस्केलेटर बनाए जाएंगे जिससे यात्रियों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म जाने में आसानी होगी । पार्सल सर्विस मूवमेंट को यात्री आवागमन एरिया से अलग रखा जाएगा जिससे यात्रियों को असुविधा न हो। पर्यावरण संरक्षण के लिए क्लीन एनर्जी के महत्व को रेखांकित करते हुए स्टेशन की छतों पर 20500 वर्ग मीटर में 1200 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा । जल संरक्षण के दृष्टिगत स्टेशन भवन के 16 पिट्स में 97 हजार लीटर क्षमता के रेन वाटर हार्वेस्टिंग व इमरजेंसी पावर बेक-अप के साथ फायर फाइटिंग स्थापित किए जाएंगे। यात्रियों को दी जाने वाली जरूरी सुविधाओं में खान-पान, पीने का पानी, एटीएम, इंटरनेट, वॉशरूम, कवर शेड, स्टैंडर्ड साइनेज आदि शामिल है । बिलासपुर स्टेशन को विश्वस्तरीय रूप देते हुए ग्रीन स्टेशन का रूप दिया जा रहा है, जहां प्राकृतिक रौशनी और वेंटिलेशन का प्रावधान होगा। पुनर्विकास के बाद बिलासपुर स्टेशन हाईटेक यात्री सुविधाओं के साथ टेक्नोलॉजी, स्थानीय संस्कृति और समृद्ध विरासत का आकर्षक केंद्र बनेगा । यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ रोजगार बढ़ने की व्यापक संभावना विकसित होगी जिसका लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा ।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई.....

■ ईद-ए-मिलाद एवं गणेश विसर्जन शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय

बिलासपुर। एडीएम श्री आर.ए. कुरूवंशी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में आगामी दिनों में आने वाले पर्व-गणेश विसर्जन एवं मिलाद-उन-नबी आपसी तालमेल एवं भाईचारे की भावना से सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और अन्य आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। महापौर श्री रामशरण यादव ने सभी से शांतिपूर्ण तरीके से आपसी भाईचारे से त्योहार मनाने की अपील की। एडीएम ने शांति समिति के सदस्यों और समाज प्रमुखों से अपील करते हुए कहा कि शहर के गौरवशाली परंपरा की तरह इस बार भी आपसी समन्वय और भाईचारे की भावना के साथ पर्व मनाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक सद्भावना कायम रहे इसके लिए सभी को एक-दूसरे के धर्म और आस्था का ध्यान रखना चाहिए। एडिशनल एसपी श्री उमेश कश्यप ने कहा कि मिलाद-उन-नबी पर्व के दौरान जुलूस के लिए यातायात एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के व्यापक इंतजाम किए गए ह। उन्होंने बैठक में सभी से शांतिपूर्ण एवं सद्भावना के साथ पर्व मनाने की अपील की। इस अवसर पर एडीएम ने पर्व के पूर्व सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए और बिजली, पानी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा।

पैसे की कमी के कारण बेटे की पढ़ाई नही होगी प्रभावित

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत के समक्ष आज जनचौपाल में कुदरमाल पंचायत की रहने वाली विमला वैष्णव एवं नोनबिर्रा के मोहम्मद मुस्तफा हसन ने अपने जमीन पर हुए राखड़ डंपिंग को हटवाने एवं मुआवजा दिलाने का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने आवेदको की समस्या को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही करने आवेदकों के निजी जमीन से राखड़ हटाने एवं नुकसान का आकलन कर मुआवजा प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारी को निर्देशित किया। कोरबा विकासखण्ड के कुदरमाल की रहने वाली विमला वैष्णव अपनी समस्या की समाधान हेतु कलेक्टर जनचौपाल में पहुँची। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे उनके खेत में अवैध रुप से विभाग द्वारा राखड़ डंप किया गया है। जिससे उनकी खेती प्रभावित हुई है। इसी प्रकार नोनबिर्रा निवासी मोहम्मद मुस्तफा हसन ने भी अपने निजी जमीन पर हुए राखड़ डंपिंग के संबंध में शिकायत कर राखड़ हटवाने का आग्रह किया। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारी को तत्काल आवेदकों की निजी भूमि से राखड़ को हटवाने एवं हुए नुकसान का आकलन कर क्षतिपूर्ति प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही आगे भविष्य में किसी की निजी जमीन पर राखड़ डंप ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के नवीन सभाकक्ष में आयोजित हुए कलेक्टर जनचौपाल में आज कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रो से आए आम लोगों की समस्याओं, शिकायतों को गंभीरता से सुनकर अधिकारियों को शासन के नियमानुसार निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। जनचौपाल में भिलाईबाजार के रहने वाले श्री मोहन लाल पाटले द्वारा अपने बेटे की उच्च शिक्षा में सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। मोहन लाल ने बताया कि उनका बेटा मनोज कुमार पाटले का चयन कर्नाटक राज्य के एनआईटी सुरतकल में एमटेक सिविल स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग में हुआ है। जहां वह प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि उनका परिवार अनुसूचित जाति वर्ग से आता है एवं आर्थिक रूप से कमजोर है, खेती मजदूरी कर के अपना जीवन यापन करते है। ऐसे में बेटे की उच्च शिक्षा के लिए संस्थान में प्रवेश तो हो गया परन्तु शैक्षणिक व अन्य खर्चो के वहन में समस्या आ रही है। कलेक्टर ने आवेदक मोहन लाल से कहा कि पैसे की कमी के कारण उनके बेटे की पढ़ाई बिल्कुल प्रभावित नही होगी।

लैब ऑनव्हील्स के द्वारा दूरस्थ ग्रामीणों की घर बैठे होगी स्वास्थ्य जांच

कोरबा। जिले के सुदूर वनांचलों मे निवासरत ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन की पहल से लैब ऑन व्हील्स कार्यक्रम का शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन द्वारा किया गया। मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में प्रारंभ किए गए नवाचार - लैब आन व्हील्स के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों को अनेक बीमारियों की जांच की नि:शुल्क सुविधा अपने घर बैठे प्राप्त होगी। जिससे ग्रामीणों को अपनी बीमारियों की जांच के लिए दूर शहर तक नहीं जाना पड़ेगा एवं इससे उनकी धन व कीमती समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को समय रहते होने वाली बीमारियों की जानकारी मिलने से इलाज में आसानी होगी एवं व्यक्ति के बीमारियों से ग्रसित होकर गंभीर स्थिति निर्मित्त होने से बचा जा सकेगा। इस कार्यक्रम के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में संग्रहित सैंपल को लैब ऑन व्हील्स राइडर्स द्वारा अपने विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया जाएगा। जहां सैंपल की जांच की जाएगी एवं रिपोर्ट तैयार होने के बाद राइडर्स द्वारा रिपोर्ट को प्राथमिक स्वास्थ्य केद्र तक पुन: वापस पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर।

रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल नं 2 के छात्र छात्राओं को प्राथमिक उपचार का दिया गया प्रशिक्षण....

बिलासपुर/ संवाददाता

आपातकालीन परिस्थितियों में स्कूली बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु रेलवे स्कूलों में प्राथमिक उपचार, जीवनरक्षक तकनीक और अग्निशमन यंत्र के प्रयोग के प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत की गई है 7 यह प्रशिक्षण अभियान मंडल रेल प्रबंधक श्री प्रवीण पाण्डेय के मार्गदर्शन तथा वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के निर्देशन में वाणिज्य विभाग के स्पेशल टीम द्वारा चलाया जा रहा है इसी संदर्भ में बुधवारी बाजार के पास स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल नं 02 में एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को प्राथमिक उपचार, जीवनरक्षक तकनीक और अग्निशमन यंत्र के सही प्रयोग की जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण वाणिज्य विभाग के स्पेशल टीम के प्रशिक्षित सदस्यों द्वारा दिया गया, जिसमें स्कूल के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएँ भी

उपस्थित थे प्रशिक्षित सदस्यों द्वारा अग्निशमन यंत्र का प्रयोग करने की जानकारी दी गई साथ ही प्रदर्शन कर दिखाया गया तथा अभ्यास कराया गया । इसके साथ ही ष्टक्कदेने की विभिन्न तकनीकों और प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को हृदय की धड़कन और श्वसन प्रणाली को फिर से सक्रिय करने की विधियां बताई गईं। इसके अलावा शरीर के विभिन्न अंगों में त्रिकोणीय पट्टी के माध्यम से प्राथमिक उपचार करने के तरीकों का भी प्रशिक्षण दिया गया इस दौरान बच्चों को सिखाया गया कि आग लगने की स्थिति में क्या कदम उठाए जाएं और कैसे प्राथमिक उपचार द्वारा किसी घायल व्यक्ति की मदद की जा सकती है वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया इस प्रकार के प्रशिक्षण सत्र न केवल बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। इस प्रशिक्षण सत्र ने बच्चों में आत्मरक्षा और दूसरों की सहायता करने की भावना को प्रबल किया है, जो उनके समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा ।

आवारा पशुओं के प्रबंधन हेतु जनचौपाल आज से

बिलासपुर/ संवाददाता

माननीय उच्च न्यायालय के आदेश एवं मुख्य सचिव के निर्देश पर जिले के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों में आवारा पशुओं के कारण होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा पशुपालकों को प्रेरित करने एवं उनके व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु जिले के चिन्हांकित क्षेत्रों बिल्हा ब्लॉक के अम्बिकापुर-कटघोरा, बिलासपुर-रायपुर एनएच 130 एवं बिलासपुर-जांजगीर चांपा रोड एनएच 49, कोटा ब्लॉक के अम्बिकापुर-कटघोरा, बिलासपुर-रायपुर एनएच 130, मस्तूरी ब्लॉक के बिलसापुर-जांजगीर चांपा रोड एनएच 49 एवं तखतपुर ब्लॉक के मुंगेली-बिलासपुर एवं हिर्री-सेंदरी एनएच 130 में पशु प्रबंधन हेतु जनचौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही विभागीय अमलों द्वारा ग्रामवासियों को लगातार इस संबंध में समझाईश दी जा रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आरपी चौहान ने बताया कि आवारा पशुओं के प्रबंधन हेतु 44 गांवों में जनचौपाल के लिए तिथियां निर्धारित कर ली गई है। जनचौपाल आयोजन के तहत बिल्हा ब्लॉक के ग्राम सेंदरी में 12 एवं 26 सितम्बर तथा 9 अक्टूबर एवं 23 अक्टूबर, ग्राम मोहतराई में 13 सितम्बर एवं 27 सितम्बर तथा 10 अक्टूबर एवं 25 अक्टूबर, ग्राम गतौरी में 17 सितम्बर एवं 30 सितम्बर तथा 14 अक्टूबर एवं 26 अक्टूबर, ग्राम धौराभाठा में 18 सितम्बर, 1 अक्टूबर, 15 अक्टूबर एवं 28 अक्टूबर, ग्राम पेण्ड्राडीह में 19 सितम्बर, 3 अक्टूबर एवं 16 अक्टूबर, ग्राम हिर्री में 20 सितम्बर, 4 अक्टूबर एवं 17 अक्टूबर, ग्राम सिलपहरी में 23 सितम्बर, 6 अक्टूबर एवं 18 अक्टूबर, ग्राम हरदीकला में 24 सितम्बर, 7 अक्टूबर एवं 21 अक्टूबर, ग्राम कडार में 25 सितम्बर, 8 अक्टूबर एवं 22 अक्टूबर को जनचौपाल का अयोजन किया जाएगा। इसी अनुक्रम में कोटा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम रानीगांव में

12, 23 एवं 30 सितम्बर तथा 7, 14, 21 एवं 28 अक्टूबर, ग्राम नवागांव कर्रा में 13 एवं 24 सितम्बर तथा 1, 8, 15, 22 एवं 29 अक्टूबर, ग्राम मेलनाडीह में 14 एवं 25 सितम्बर तथा 3, 9, 16, 23, एवं 30 अक्टूबर, ग्राम कर्रा में 16 एवं 26 सितम्बर तथा 4, 10, 17, 24 एवं 31 अक्टूबर, ग्राम जाली में 18 एवं 27 सितम्बर तथा 5, 11, 18, 25 अक्टूबर एवं 2 नवम्बर को जनचौपाल का आयोजन किया जाना है इसी प्रकार विकासखंड मस्तूरी अंतर्गत ग्राम दरीघाट में 13 एवं 26 सितम्बर तथा 14 एवं 24 अक्टूबर, ग्राम लावर में 14 एवं 27 सितम्बर तथा 15 एवं 25 अक्टूबर, ग्राम किरारी में 16 एवं 30 सितम्बर को तथा 16 एवं 28 अक्टूबर, ग्राम भदौरा में 18 सितम्बर एवं 1, 17 एवं 29 अक्टूबर, ग्राम जयरामनगर में 19 सितम्बर एवं 3, 18 एवं 30 अक्टूबर, ग्राम मोहतरा में 20 सितम्बर एवं 4, 21 एवं 31 अक्टूबर, ग्राम खुडुभाठा में 23 सितम्बर एवं 5, 22 एवं 26 अक्टूबर एवं ग्राम पाराघाट में 25 सितम्बर एवं 7, 23 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर को जनचौपाल का आयोजन किया जाना है। इसी प्रकार विकासखण्ड तखतपुर अंतर्गत ग्राम पेण्डारी में 13 सितम्बर एवं 11 अक्टूबर तथा ग्राम बिनौरी में 14 सितम्बर एवं 14 अक्टूबर, ग्राम खुजरीनवागांव में 16 सितम्बर एवं 15 अक्टूबर तथा ग्राम काठाकोनी में 19 सितम्बर एवं 17 अक्टूबर, ग्राम भिलौनी में 18 सितम्बर एवं 16 अक्टूबर, ग्राम देवरी खुर्द में 20 सितम्बर एवं 18 अक्टूबर, ग्राम खम्हरिया में 21 सितम्बर एवं 19 अक्टूबर, ग्राम जरौंधा में 23 सितम्बर एवं 21 अक्टूबर, ग्राम लिदरी में 24 सितम्बर एवं 22 अक्टूबर, ग्राम खपरी में 25 सितम्बर एवं 23 अक्टूबर, ग्राम जरेली में 26 सितम्बर एवं 24 अक्टूबर, ग्राम छतौना में 27 सितम्बर एवं 24 अक्टूबर, ग्राम बोड़सरा में 28 सितम्बर एवं 26 अक्टूबर, ग्राम अमसेना में 30 सितम्बर एवं 28 अक्टूबर।

पत्नी,अबोध बच्ची सहित परिवार पर पेट्रोल डाल जलाने की कोशिश

कोरबा। दर्री थाना अंतर्गत अयोध्यापुरी बस्ती में एक चौंकाने वाली घटना सोमवार को सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और 15 दिन की मासूम बच्ची समेत पांच लोगों पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और आरोपी पति यशोदा नंद मौके से फरार हो गया। एक साल पहले दोनों ने मंदिर में प्रेम विवाह किया था, लेकिन आपसी विवाद ने इस रिश्ते में खटास पैदा कर दी। घटना के दिन आरोपी अपनी पत्नी और नवजात शिशु को उनके घर लेने आया था। इस दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद पति ने गुस्से में आकर पेट्रोल डालकर सभी को जलाने का घातक प्रयास किया। इस घटना में 15 दिन की मासूम बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी पति की तलाश की जा रही है।इस क्रूर घटना के बाद इलाके में गहरा आक्रोश व्याप्त है। लोग इस कृत्य की कड़ी निंदा कर रहे हैं और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। घटना की जांच दर्री थाना पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस टीम फरार आरोपी की खोज में जुटी है, और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने की बात कही है।

स्वात्वाधिकारी श्रीमती योगिता साहू के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक तरुण कुमार साहू द्वारा एमबीएम प्रिंटर्स, महामाया रेजिडेंशियल शिव मंदिर कोनी बिलासपुर से मुद्रित कर महामाया रेजिडेंशियल शिव मंदिर कोनी बिलासपुर छत्तीसगढ़ पिन कोड 495009 से प्रकाशित । संपादक तरुण कुमार साहू (पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) आरएनआई नं.-CHHHIN/2009/34957 फोन : 07752-223678 dainiktarunpath@gmail.com- tarunpath@ymail.com